फाल्गुन शुक्ल पक्ष षष्ठी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 249 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
05 मार्च 2025 बुधवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
18 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

### विधानसभा के बजट सत्र को लेकर सत्ता पक्ष की तैयारी, रात को दिल्ली पहुंचेंगे यादव

# सीएम ने संभाली फ्लोर मैनेजमेंट की कमान विधायकों को सदन में मुखर रहने के मंत्र

**भोपाल ,दोपहर मेट्रो**

राज्य सरकार के आगामी वित्त वर्ष के बजट में विधायकों की राय को तरजीह देने वे इन्हें शामिल करने के लिये आज मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 'नवाचार' किया। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से भाजपा विधायकों से उनके क्षेत्र के कामकाज और जरूरतों पर चर्चा की। यह बैठक उन्होंने निवास कार्यालय से ही की। सीएम ने कहा कि विधायक अपनी सरकार की उपलब्धियों की हर जानकारी से लैस होकर सदन में जाएं, ताकि सदन में सरकार के कामकाज का चर्चा रहे। उन्होंने कहा कि जब संख्याबल में हम ज्यादा हैं तो हमारा काम भी गूंजना चाहिये । विधायक दल की यह बैठक इसलिये भी खास मानी जा रही है क्योंकि वित्त आयोग इस वक्त मप्र के दौरे पर है और वह कई जिलों में राज्य सरकार की योजनाओं का निरीक्षण कर रहा है तथा योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर आमजन तक इसके असर की भी पड़ताल कर रहा है। राज्य सरकार भी वित्त आयोग से अपने कामकाज और वित्त प्रबंधन की ब्रांडिंग करके केंद्र से ज्यादा मदद की कोशिश में है। इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री तेंदुखेडा रवाना हो गये हैं यहां से लौटकर वे शाम को वित्त आयोग को डिनर देंगे तथा देर रात दिल्ली रवाना हो जाएंगे तथा कल कुछ केंद्रीय नेता व मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। जानकार सूत्रों का कहना है कि

भाजपा विधायकों की भूमिका विधानसभा के आगामी बजट सत्र में काफी महत्वपूर्ण रहेगी। सरकार और पार्टी के स्तर पर अभी से इसके लिये विधायकों का मानस भी तैयार किया जा रहा है। इसके पहले सरकार भाजपा विधायकों से उनके क्षेत्र के कुछ महत्वाकांक्षी कामों की जानकारी लेकर बजट में शामिल करने की कोशिश भी कर रही है। माना जा रहा है कि हाल में सौरभ शर्मा व एक कारोबारी राजेश शर्मा पर छापेमारी और इससे जुड़े अन्य प्रकरणों पर विस में प्रतिपक्ष के तेवर कड़े रहने के अभी से संकेत हैं। इसके लिये भी सत्तापक्ष भाजपा अपनी तरफ से तैयारी में जुटा है। विधायकों को तर्क के साथ मौजूद रहने के लिये कहा जा रहा है। उधर गोविन्द सिंह राजपूत के मानहानि के नोटिस पर उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने एक्स पर पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा कि 20 करोड़ रुपये आपरेशन लोटस के तहत सरकार गिराने के लिए मिलते हैं, मंत्रीजी, ना की सौरभ शर्मा जैसे भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को मानहानि का नोटिस भेजकर, मोहन सरकार के मंत्री गोविंद राजपूत ने भाजपा की घबराहट पर सरकारी मुहर लगा दी है। परिवहन घोटाले का सच इस बजट सत्र में सामने लाकर रहेंगे !

## दिल्ली में मुलाकातों से सरगर्मी

दूसरी तरफ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार एक बार फिर एक ही दिन दिल्ली पहुंचे। उन्होंने दिल्ली में बड़े नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से लंबी चर्चा भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। माना जात है कि सभी 80 संगठनात्मक जिला और 800 संगठनात्मक ब्लॉक के अध्यक्ष का चयन करने को लेकर लंबी चल रही है। कांग्रेस इसी महीने सभी जिला और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के गठन का काम पूरा करने की कोशिश में है। अब तक पटवारी 45 जिलों का दौरा पूरा कर चुके हैं। उनकी तैयारी सभी जिलों में लगभग एक साथ जिला अध्यक्ष की घोषणा करने की है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के लिए संगठन ने 45 साल और जिलाध्यक्ष 60 वर्ष तक की उम्र का बनाए जाने का क्राइटेरिया तय कर लिया है।

## रहस्यमय धमाके से फ्लैट तबाह, एसी-सिलेंडर सही सलामत !

**ग्वालियर, एजेंसी**

देर रात द लेगेसी अपार्टमेंट में दूसरी मंजिल के फ्लैट में जोरदार धमाका रहस्यमय हो गया है। इस धमाके से फ्लैट पूरी तरह तबाह हो गया। घटना में फ्लैट में मौजूद दो लोग बुरी तरह झुलस भी गए मगर धमाका किस वजह से हुआ अभी यह साफ नहीं हो पाया है। धमाके से झुलसे दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद से आस-पास और बिल्डिंग के अन्य फ्लैट्स में रहने वाले लोग दहशत में है। देर रात अचानक ब्लास्ट की आवाज सुनकर लोग वहां पहुंचे। दरवाजा खोलकर देखा तो पूरा फ्लैट तहस-नहस हो चुका था। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी। इसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। फ्लैट के अंदर गैस सिलेंडर या एसी में धमाका होने की आशंका थी, लेकिन ये दोनों ही सही मिले हैं। पुलिस का बम निरोधक दस्ता भी मौके पर जांच करने के लिए पहुंचा है।

## शेयर बाजार संभला, सेंसेक्स और निफ्टी चढ़े

**मुंबई।** एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा छेड़े गए ग्लोबल टैरिफ वॉर से दुनियाभर के शेयर बाजार सहमे हुए नजर आ रहे हैं। भारत पर भी कल तक इसका असर नजर आ रहा था एशियाई बाजारों तक में सुस्ती रही है। लेकिन आज ट्रंप का असर भारतीय शेयर बाजार पर देखने को नहीं मिल रहा है, बल्कि कई दिनों से जारी गिरावट पर ब्रेक लगा नजर आया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स ग्रीन जोन में ओपन होने के बाद मिनटों में ही 500 अंकों से ज्यादा उछल गया, तो निफ्टी ने भी तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की वे डेढ सौ अंक चढा। सेंसेक्स आज 73000 के पार ओपन हुआ और इसकी तेजी लगातार बढ़ती गई।

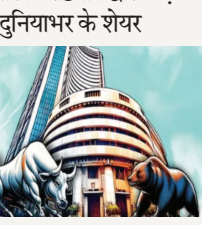

### 5 डिग्री तक गिरा तापमान

# पहाड़ों से मैदानों में पहुंची ठंडी हवाएं, पारे के तेवर ढीले पड़े

**नई दिल्ली भोपाल, एजेंसी**

कई पहाडी राज्यों में बर्फबारी के बाद हवाएं चलने से मैदान इलाकों में ठंड बढ़ गई है। मध्यप्रदेश में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में दिन के तापमान में 4.2 डिग्री तक की गिरावट हुई है। भोपाल में सुबह से तेज हवाओं का दौर रहा है। यह हवा 12 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार पर हैं। राजस्थान में भी ठंड बढ़ गई है। वहां कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। मौसम विभाग ने बताया कि बीते दिन देश के अधिकतर इलाकों का तापमान 35 से 39 डिग्री के बीच रहा। महाराष्ट्र का सोलापुर 39.4 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। वहीं, हिमाचल प्रदेश में 33 सेमी तक बर्फबारी हुई। साथ ही 25.8 सेमी तक की बारिश दर्ज की गई। अब अगले चार दिन धूप रहेगी। उत्तर-पश्चिमी इलाकों यानी पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में रफ्तार से हवा चल सकती है। इस वजह से कई इलाकों में तापमान गिर सकता है।

इधर मध्यप्रदेश के पश्चिमी हिस्से यानी, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में दिन के तापमान में 4.2 डिग्री तक की गिरावट हो चुकी है। आज सुबह दस बजे तक पारा 20 पार नहीं कर पाया था। माना जा रहा है कि शुक्रवार से दिन के पारे में फिर से 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो जाएगी।

# इंसीनरेटर फिर तपे, यूका का कचरा दोपहर बाद जलेगा

**इंदौर, एजेंसी**

पीथमपुर स्थित रि-सस्टेनेबिलिटी कंपनी में भोपाल की यूनियन कार्बाइड फेक्ट्री का जहरीला कचरा जलाने की प्रक्रिया आज दोपहर बाद फिर शुरू हो रही है। सोमवार से मंगलवार तक करीब 20 घंटे में मशीन ठंडी की गई। इसके बाद मशीन की सफाई और संधारण की प्रक्रिया देर रात तक चलती रही। अब पहले चरण की तरह मशीन को रातभर डीजल पर खाली चलाकर तापमान 800 से 850 डिग्री तक पहुंचाया जा रहा है। लिहाजा बुधवार दोपहर के बाद कचरे को जलाने के लिए मशीन में डाला जाएगा। इस बार 180 किग्रा प्रति घंटे की दर से 55 घंटे में 10 टन कचरा जलाया जाएगा। हाईकोर्ट के निर्देशानुसार भोपाल में 40 वर्षों से पड़े यूनियन कार्बाइड कचरे के निष्पादन का यह ट्रायल चल रहा है। अब तक करीब 10 टन कचरा जलाया गया।

## आंदोलनकारी किसानों की नाकाबंदी, हर जगह धरने

**चंडीगढ़, एजेंसी**

आज किसानों के प्रस्तावित मार्च के चलते प्रशासन हाई अलर्ट पर है और पंजाब सरकार ने भीड़ को एकत्रित होने से रोकने के प्रयास चला रखे हैं। सुबह से पंजाब से चंडीगढ़ आ रहे किसानों के जत्थों को रो जा रहा है। कई जगहों पर किसान सड़क पर ही धरने पर बैठ गए हैं। इससे पहले पंजाब सरकार ने कहा था कि आंदोलन की अनुमति नहीं है। किसानों को शहर के सेक्टर 34 में धरना देने की अनुमति नहीं दी गई है। वहीं चंडीगढ कूच के लिए पंजाब के अलग-अलग जिलों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ किसान रवाना हो रहे हैं। जिन्हें जहां रोका जा रहा है वे वहीं धरना लगाकर बैठ गए हैं।

## दुबई से सोने की तस्करी केस में अभिनेत्री गिरफ्तार

**बेंगलुरू।** दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री रान्या राव को सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह अभिनेत्री पुलिस महानिदेशक स्तर के अफसर रामचंद्र राव की बेटी हैं। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने अभिनेत्री को कैम्पगौडा ऐटरपोर्ट से उन्हें गिरफ्तार किया। अभिनेत्री के ऊपर 14.8 किलोग्राम सोना रखने का आरोप था। कोर्ट ने अभिनेत्री को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हिरासत में लेने से पहले अभिनेत्री का बॉरिंग अस्पताल में मेडिकल परीक्षण हुआ। अधिकारियों के अनुसार, रान्या ने दावा किया कि वह बिजनेस के लिए दुबई जा रही थीं। डीआरआई ने पाया कि वह पिछले 15 दिनों में चार बार दुबई की यात्रा कर चुकी है, जिसके बाद एजेंसी ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखना शुरू कर दिया।

# मेरा सब कुछ छिन गया उज्जैन में बोले चिराग

## परिवार और सहयोगियों के साथ भस्म आरती में शामिल हुए

**उज्जैन, एजेंसी**

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान आज तड़के विश्वप्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में पूरे परिवार और सहयोगियों के साथ भस्म आरती में शामिल हुए। महाकाल दरबार में दर्शन करने के बाद चिराग ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि श्रीमहाकाल ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। एक समय ऐसा था जब शायद मुझसे सब कुछ छिन गया था, लेकिन बाबा का आशीर्वाद रहा कि आज मैं यहां तक पहुंचा। पासवान इस दौरान अपने पूरे परिवार के साथ मंदिर में मौजूद रहे। उनके साथ उनकी मां, बहन, जीजा, भांजे-भांजियां, करीबी सहयोगी और रिश्तेदार भी उपस्थित थे। महाकाल के समक्ष शीश झुकाते हुए उन्होंने भगवान शिव को धन्यवाद दिया और उनका आशीर्वाद लिया।

**मेट्रो एंकर** | अमेरिका के इरादे साफ, दुनियाभर में उथलपुथल

# 2 अप्रैल से ट्रेड वॉर की चपेट में भारत भी !

**नईदिल्ली, एजेंसी**

इस वक्त दुनिया में सबसे बड़े ट्रेड वॉर की शुरुआत से कई देशों में उथलपुथल है। इस बीच अमेरिकी संसद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाने को लेकर कहा कि चीन, मेक्सिको और कनाडा के साथ ही भारत भी अमेरिका पर भारी टैरिफ लगाता है, जो ठीक नहीं है। ट्रंप ने औपचारिक रूप से भारत पर टैरिफ लागू होने की तारीख 2 अप्रैल तय कर दी है। इसे रेसिप्रोकल टैरिफ कहा जाता है जिसने पूरी दुनिया में हलचल मचा रखी है। रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जब एक देश किसी दूसरे देश से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ (आयात शुल्क) लगाता है, तो दूसरा देश भी उसी अनुपात में उस देश के उत्पादों पर टैरिफ लगा देता है। इसे सरल भाषा में %जैसे को तैसा% नीति कहा जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर कोई देश अमेरिकी उत्पादों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाता है, तो अमेरिका भी उस देश से आने वाले सामान पर 10 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाएगा।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने करीब छह महीने पहले राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर कहा था, जैसे को तैसा, एक टैरिफ के बदले दूसरा टैरिफ, वही सटीक अमाउंट।

**भारत 100 फीसदी टैरिफ लगाता है:** ट्रंप ने भारत को लेकर दो बार नाम लेते हुए कहा कि भारत हम 100 फीसदी टैरिफ लगाता है ये कतई ठीक नहीं है। ट्रंप ने अमेरिका पर टैरिफ लगाने वाले कुछ देशों के नाम भी गिनाए और कहा कि औसतन, यूरोपीय यूनियन, चीन, ब्राजील, भारत, मैक्सिको और कनाडा हम पर टैरिफ लगाते हैं। अनगिनत अन्य देश हमसे बहुत ज्यादा टैरिफ़ वसूलते हैं। यह बहुत अनुचित है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पर टैरिफ लगाने वाले देशों पर आगामी 2 अप्रैल से अमेरिका भी उतना ही टैरिफ लगाएगा, न कम और न ज्यादा।

## अप्रैल फूल न हो इसलिए 2 अप्रैल

ट्रंप ने कहा है कि हमारा प्लान पहले रेसिप्रोकल टैरिफ को 1 अप्रैल को लागू करने का था, लेकिन मैं ये बिल्कुल नहीं चाहता था कि इसे लेकर अप्रैल फूल डे से जोड़कर देखा जाए। उन्होंने कहा यदि यदि आप अमेरिका में अपना उत्पाद नहीं बनाते हैं, तो आपको टैरिफ का भुगतान करना होगा, और कुछ मामलों में बहुत बड़ा टैरिफ लागू होगा। अब हमारी बारी है। ट्रंप ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि अगर ये देश हमें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए नॉन-मॉनेट्री टैरिफ लगाते हैं, तो हम उन्हें अपने बाजार से बाहर रखने के लिए भी ऐसा ही करेंगे। इससे अमेरिका को खरबों डॉलर का प्रोडक्शन करने में मदद मिलेगी और रोजगार को बढ़ावा भी मिलेगा.

## बदहाल सड़क

भोपाल के एमपी नगर ज्योति टॉकीज चौराहे तक की सड़कों की हालत खराब हो गई है।

### ट्रायल रन रहा सफल, और होंगे ट्रायल

# पहली बार लंबी दूरी तक दौड़ी मेट्रो, स्टेशनों पर भी रुकी

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

राजधानी के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से एम्स के बीच पहली बार मेट्रो ने वास्तव में दौड लगाई है। इसकी स्पीड 10-20किमी प्रतिघंटा की रही। इसने तीन किलोमीटर की दूरी सिर्फ 12 मिनट में पूरी की। यह इस रूट पर मेट्रो का ट्रायल था जो सफल बताया जा रहा है। मेट्रो एमडी एस. कृष्ण चैतन्य भी ट्रायल रन के दौरान मौजूद रहे। उन्होंने बाकी बचे कामों को जल्दी पूरा करने के निर्देश भी दिए। खास बात यह है कि अब तक 4 किमी लंबे सुभाषनगर से आरकेएमपी के बीच ही मेट्रो दौड़ रही थी। मगर कल आगे के 3 किमी के ट्रैक पर भी मेट्रो का ट्रायल हो गया है। इसके चलते सबकी निगाहें आरकेएमपी स्टेशन से एम्स की ओर बढ़ रही मेट्रो पर टिकी हुई थी। 10 से 20 किमी की रफ्तार में मेट्रो आगे बढ़ी और अफसरों के चेहरों पर खुशी दिखाई देने लगी। मेट्रो ने 12 मिनट में डीआरएम,अलकापुरी और एम्स स्टेशनकी दूरी पूरी कर ली।

मेट्रो कॉरपोरेशन के अफसरों का कहना है कि आरकेएमपी से एम्स के बीच मेट्रो की स्पीड अब बढ़ेगी। अधिकतम स्पीड 90 किमी प्रतिघंटा तक पहुंचेगी। रात में भी टेस्टिंग होगी। ताकि, जब कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम आए तो कॉमर्शियल रन के लिए हरी झंडी मिल सके। मेट्रो ट्रेन (रोलिंग स्टॉक) के एक कोच की लंबाई लगभग 22 मीटर और चौड़ाई लगभग 2.9 मीटर है। इसमें 3 कोच हैं। जिसकी डिजाइन स्पीड 90 किमी प्रति घंटा है।

मेट्रो का ऑरेंज लाइन का प्रायोरिटी रूट सुभाषनगर से एम्स तक करीब 7 किमी है। सुभाषनगर से आरकेएमपी के बीच 3 अक्टूबर 2023 को पहली बार ट्रायल रन हुआ था। इसके बाद अब तक टेस्टिंग का दौर जारी है। टेस्टिंग में मेट्रो पास भी हो गई। अब आरकेएमपी से एम्स के बीच का ट्रायल भी हो गया। अफसरों ने बताया कि मेट्रो हर स्टेशन पर 2-2 मिनट के लिए रुकी।

### पहली बार आरओबी से गुजरी

मेट्रो ट्रेन रानी कमलापति से चलकर रेलवे ओवर ब्रिज, डीआरएम ऑफिस एवं अलकापुरी स्टेशन होते हुए एम्स स्टेशन पहुंची। बता दें कि आरओबी का काम कुछ महीने पहले ही पूरा हुआ है। इसके बाद ट्रैक बिछाया गया। रेलवे ट्रैक और डीआरएम तिराहे पर दो स्टील ब्रिज बिछाए गए हैं।

# नई तकनीकी क्षमताओं से लैस होंगे बरकतउल्ला विवि के विद्यार्थी

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के यूआईटी के इंजीनियरिंग एवं एमएससी के विद्यार्थियों के लिए भारत सरकार की पीएम ऊषा योजना के अंतर्गत सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 07 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के पहले चरण में 100

**छात्रों के लिए निटर भोपाल में पीएम ऊषा योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू**

विद्यार्थी, आईओटी, रोबोटिक्स, एआई-एमएल, सिमुलेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन, सीएनसी लैब्स में 05 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने सभी छात्रों से कहा कि आपके कैरियर लिए यह बहुत ही बड़ा अवसर है कि आपको इस तरह की हाईटेक लैब्स में ट्रेनिंग मिल रही है। एक अच्छे इंजीनियर को इनोवेटर, क्रिएटर, डेवलपर और प्रोड्यूसर होने के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। समाज की समस्याओं की पहचान करें और उनके हल के लिए नवाचार कर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएं।

# संत कॉलेज में एक सप्ताह तक महिला दिवस पर होंगे आयोजन

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में मंगलवार से महिला दिवस पर महिला दिवस सप्ताह का शुरूआत हुई, स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने की भावना के साथ महिला दिवस मनाया जा रहा है। कॉलेज ने एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया, जिसका नेतृत्व डॉ. प्रिया गुप्ता, एम.डी. स्कॉलर, संत हिरदाराम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी, ने किया। डॉ. प्रिया ने छात्राओं और प्राध्यापकों को हल्के व्यायाम और योगासन के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराया। इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था, जिससे वे आत्मनिर्भर और सफल बन सकें। कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि ÷महिला दिवस की शुरुआत महिला के स्वास्थ्य से होती है। यदि एक महिला शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ है, तो वह जीवन की किसी भी चुनौती का सामना कर सकती है। उन्होंने कहा कि संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना नारी शक्ति के प्रति सच्ची श्रद्धाहै। महिला दिवस सप्ताह के शुभारंभ दिवस पर सभी प्राध्यापकों ने गुलाबी परिधान धारण किए, जो एकता और नारीत्व के उत्सव का प्रतीक था। कार्यक्रम का समापन डॉ. प्रिया गुप्ता के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

# शहनाई बजवाने के लिए बैंक ऑफर ले रहे खास लोन

**भोपाल.** इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। बैंड, बाजा और बारात पर लोग दिल खोलकर खर्च कर रहे हैं। खास बात यह है कि अब भोपालवासियों में भी बैंड,बाजा और बारात पर खर्च करने के लिए जमकर लोन लिया जा रहा है। आजकल शादियों के खर्चे 5 लाख से लेकर 1 करोड़ रुपए तक हो सकते हैं जिससे कई परिवार शादी के लिए पर्सनल लोन का सहारा ले रहे हैं। इस साल सात प्रतिशत बढ़ी महंगाई- 2025 में शादियां पिछले साल की तुलना में सात प्रतिशत से अधिक महंगी हो गई हैं। इस महंगाई से निपटने के लिए लोग शादियों की तैयारी के लिए बैंक से मैरिज लोन ले रहे हैं। अकेले राजधानी भोपाल में ही 100 करोड़ से अधिक का पर्सनल लोन लिया गया है। जिसमें बड़ी राशि शादी-ब्याह के लिए ली गयी है। मैरिज लोन को पर्सनल लोन के रूप में जरूरतमंद लोग ले रहे हैं। इस राशि से शादी विवाह से संबंधित कार्य निपटाए जा सकते हैं। पर्सनल लोन की कोई सीमा नहीं होती। यदि कोई सरकारी कर्मचारी है और सारे दस्तावेज जमा कर दें तो एक घंटे में लोन का प्रोसेस पूरा हो जाता है।

भोपाल के नूतन कॉलेज में वार्षिक उत्सव समारोह का आयोजन किया गया।

# मोहनलाल की आंखें सेवा सदन को दान में मिली

**हिरदाराम नगर.** नेहरू नगर, भोपाल निवासी मोहनलाल हरचंदानी का देहावसान सोमवार 3 मार्च 2025 को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र अरूण हरचंदानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2202 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

**मेट्रो एंकर** दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम-2025 का हुआ समापन

# कालातीत सत्य का शोध करती है भारतीय ज्ञान परंपरा : आचार्य मिथिलेश नन्दिनीशरण

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

दत्तोपन्त ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा उच्च शिक्षा, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान तथा म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से राजधानी के मेपकॉस्ट परिसर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोधार्थी समागम-2025 का समापन सोमवार को हुआ। समापन सत्र में आचार्य मिथिलेश नन्दिनीशरण महाराज ने शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे भारतीय ज्ञान परंपरा का अनुसरण करने के लिए शोध में भारतीयता का स्थापित करें। उन्होंने कहा की हनुमान जी लंका में माता जानकी की खोज के लिए गए। इसके पूर्व उन्होंने माता जानकी को नहीं देखा था। उन्होंने इस आधार पर माता को पहचाना कि जैसे सीता के विरह में राम व्याकुल हैं, वैसे ही सीता भी व्याकुल होना चाहिए। शोधार्थी को भी यह ध्यान रखना चाहिए कि सीता को खोजते-खोजते मंदोदरी को न खोज ले। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा कालातीत सत्य का शोध करती है इसलिए शोध करने के लिए मूल को पहचानना चाहिए।

**पश्चिम में लोक की परंपरा छिन्न-भिन्न, भारत में यह आज भी विद्यमान: पद्मश्री डॉ. तिवारी**

समागम में वाचिकता पर शोध पर प्रकाश डालते हुए पद्मश्री डॉ. कपिल तिवारी ने कहा कि धरती माता, गौ माता, नदी माता, पृथ्वी माता, मातृभाषा जैसे गहरे भाव दुनिया में कहीं नहीं हैं। यही चेतना वाचिक है, जिसमें करोड़ों लोगों अनुसरण करते हैं। आज पश्चिम में लोक की परंपरा छिन्न-भिन्न हो गयी है। भारत में यह आज भी विद्यमान है। करमा नृत्य भारत में 26 शैलियों में किये जाते हैं। दुनिया में ऐसा कोई नृत्य नहीं है जो 26 शैलियों में गाया जाता है।

**दुनिया की कोई भी भाषा संस्कृत की सहभागिता के बिना विकसित नहीं हुई:** मप्र खाद्य आयोग प्रो. वी.के. मल्होत्रा ने कहा कि भारत नवाचार का नेतृत्व करना चाहिए। गुरु बनना है तो हम अध्येता बनें। सबसे बड़ी समस्या है भारत की जीडीपी का मात्र 0.69 प्रतिशत फंड शोध के लिए आवंटित किया गया है, जो बहुत कम है। अमेरिका अपनी जीडीपी का 4 प्रतिशत से ज्यादा फंड शोध पर खर्च करता है। भारत को विकसित होना है तो शोध पर निवेश ब?ाना होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी भाषा संस्कृत की सहभागिता के बिना विकसित नहीं हुई।

**शोध के बिना कोई देश विकसित नहीं बन सकता: प्रो. एस. सूर्य प्रकाश**

एनएलआईयू के कुलगुरु प्रो. एस. सूर्य प्रकाश ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय जरूर देखने जाएं। तब पता चलेगा हम विश्व गुरु क्यों थे? अमेरिका, जापान, जर्मनी जैसे देश विकसित हुए हैं। भारत आहिस्ता-आहिस्ता आगे बढ़ रहा है। हमें ज्यादा काम करने की आवश्यकता है। शोध के बिना कोई देश विकसित नहीं बन सकता है। इस अवसर पर आईआईटी दिल्ली के डॉ. अजय सैनी, डॉ. अमित कुमार दासौरा, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला की फैलो आद्या दीक्षित, निदेशक डॉ. मुकेश मिश्रा ने भी समापन समारोह को संबोधित किया।

**तीन दिवसीय समागम में हुआ मंथन:**

दत्तोपन्त ठेंगड़ी शोध संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इस समागम में देशभर के 25 राज्यों से 280 प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि विविध क्षेत्रों के 30 विद्वानों ने उनसे संवाद किया और शोध को लेकर चर्चाएं की। समागम के दौरान नैमिष-वार्ता की खूब चर्चा हुई। इसमें दोनों दिन शाम को नैमिषारण्य की परंपरा पर केन्द्रित संवाद सत्र आयोजित किया गया था जिसमें जीवन से जुड़े अनेक प्रश्नों पर खुलकर चर्चा हुई। दत्तोपन्त ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय शोधार्थी समागम सफल रहा इसलिए अगले साल फिर से राष्ट्रीय शोधार्थी समागम का आयोजन किया जाएगा।

## परीक्षा और प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थी पुरस्कृत

# संस्कार भारती विद्यापीठ में प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

संस्कार भारती विद्यापीठ विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रशांत त्रिपाठी एवं अक्षय हूंका, फाउंडर एंड सीईओ फैब माय ट्रिप उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अजीत मोहन शर्मा, सुरेश पचौरी, शांतनु शर्मा, दीप्ति शर्मा एवं अतिथियों द्वारा भगवान गणेश की वंदना एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। विगत सत्र में कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी पुरस्कृत किए गए। इसी प्रकार विभिन्न शालेय प्रतियोगिताओं खेलकूद, ड्राइंग, क्राफ्ट एवं स्टोरी टेलर आदि में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के अनेक खिलाड़ी जिन्होंने जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया उन्हें पुरस्कृत किया गया। पिट्ठू एवं बेसबॉल की जिला स्तरीय रनर अप टीम रही खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की गई। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. प्रशांत त्रिपाठी ने अनुशासित विद्यार्थियों की तारीफ करते हुए देश भक्ति की भावना जागृत करने के लिए वीर शहीद भगत सिंह की प्रेरक कहानी को सुनाया एवं माता-पिता गुरुजनों के प्रति अपनी सदैव कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश दिया। अपनी प्रभावशाली शैली से डॉ. प्रशांत त्रिपाठी ने विद्यार्थियों में जोश और उत्साह उत्पन्न कर दिया। विद्यालय संचालक शांतनु शर्मा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

## सीएम यादव ने किए कई ऐलान

# चुनाव से पहले आदिवासी पंचायत जनप्रतिनिधि बनाने का वादा

## देवलोक महोत्सव के कई मायने

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

राज्य सरकार ने आदिवासी इलाकों पर अब नजर गढ़ाई है। इसलिए सीएम हाउस पर आयोजित जनजातीय देवलोक महोत्सव में सीएम मोहन यादव ने लोक पर्व भगोरिया को राजकीय उत्सव के तौर पर मनाने का ऐलान किया व कहा-सीएम हाउस आए नर्तक, वादक दलों के हर कलाकार के खाते में 5-5 हजार रुपए डाले जाएंगे। उन्होंने इस वर्ग के लिये कई घोषणाएं भी कीं। इस दौरान जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने कहा कि आदिवासियों को चुनाव के पहले सीएम हाउस बुलाया जाता था। इस पर बड़ी बात यह है कि खुद सीएम यादव ने कहा कि अगले चुनाव में आप जिसे कहोगे उसे पहले ही जनप्रतिनिधि तय कर देंगे।

इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से आदिवासी समाज के पटेल, पुजारा, तडवी, भगत, भूमक, पंडा और धर्माचार्यशामिल हुए। समाज के युवाओं-युवतियों ने अलग-अलग पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुतियां दी। बैगा, कोरकू, गोंड जनजाति के प्रतिनिधि मंच पर मौजूद रहे। यादव ने केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, मंत्री विजय शाह, नार्गसिंह चौहान, विधायक भगवान दास सबनानी और आदिवासी समाज के पंडा पुजारियों के साथ बड़ा देव की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विजय शाह ने कहा कि मैं 35 साल से देख रहा हूं कि हमारे जनजातीय वर्ग का कोई सम्मान करता है, तो चुनाव के पहले करता है। हमको सीएम हाउस चुनाव के पहले बुलाया जाता था।

इस पर सीएम यादव ने मंत्री शाह की बात पर कहा- विजय भैया, आपने कहा कि जब चुनाव आते थे तो लोग हमको बुलाते थे। मैं आपको डंके की चोट पर कह रहा हूं, आने वाले चुनाव के पहले आप जिन-जिनको कहोगे, हम उन सबको पहले से ही आपके बीच में जनप्रतिनिधि बनने के लिए तय कर देंगे। यह बात सही है कि अभी चुनाव नहीं हैं, लेकिन फिर भी हमने सबको बुलाया है। क्योंकि चुनाव जीतने में सबकी सहभागिता रही है। ऐसे में अब मेरा फर्ज बनता है कि उनको बुलाकर उनके साथ उत्सव मनाएं। यादव ने आदिवासियों के भगोरिया की तारीफ करते हुए कहा होली में जनजातियों के इस त्योहार का अलग आनंद है। लोग काला चश्मा तो कई बार रात में भी नहीं उतारते। कहीं ताड़ी का प्रसाद है। आलीराजपुर जाओ तो आपकी खुशबू में ही मजा आने लगता है। आदिवासी समाज को देख लो आनंद आ जाता है। अपनी संस्कृति, जंगल-जमीन, जमीर बचाने के लिए आदिवासी समाज डटकर खड़ा रहा है।सरकार ने पहली कैबिनेट की बैठक जबलपुर में की। जिस टंट्या मामा को अंग्रेज पता नहीं क्या-क्या कहते थे। हमने आदर्श स्थापित करने खरगोन में टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय शुरू किया।

### सीएम ने किए आदिवासियों के लिए ऐलान

1. दूध उत्पादन को बढ़ावा देने 5 रुपए प्रति लीटर बोनस दिया जाएगा।
2. पीएम आवास से जो छूटे हैं, सर्वे कराकर उन्हें भी पक्के मकान देंगे।
3. सरकारी बसें बंद हो गई थी। इस बजट के माध्यम से सरकारी बस सुविधा शुरू होगी।
4. भगोरिया जैसे जनजातीय पर्व राजकीय उत्सव के तौर पर मनाए जाएंगे।
5. सीएम हाउस आए नर्तक, वादक दल कलाकार के खाते में 5-5 हजार डाले जाएंगे।
6. 931 कलाकारों के खातों में 46 लाख 55 हजार रुपए की राशि डाली जाएगी।
7. पेसा की प्रति ग्राम सभा के मान से 3 हजार से कुल 11596 पेसा ग्राम सभाओं में 3 करोड़ 47 लाख की राशि डाली जाएगी।

# भीख वाले बयान के बाद अब डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश

### मंत्री के बयान से बवाल जारी, कांग्रेस ने कहा-पद छोड़कर राजनीति करें

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

मप्र के पंचायत और श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल का बयान राजनीतिक रूप से इतना तूल पकड चुका है कि भाजपा हाइकमान पर इसमें राज्य इकाई के संपर्क में है और डैमेज कंट्रोल की कोशिशें लगातार की जा रही हैं। दरअसल राजगढ़ के सुठालिया में तीन दिन पहले लोधी-लोधा समाज के सम्मेलन में पटेल ने भीख वाला बयान देकर हंगामा खडा करा दिया है। पटेल ने अपने इस बयान पर बवाल मचने के बाद भी जबलपुर में कहा था कि, वे अपनी बात पर कायम हैं। क्योंकि ये पार्टी का कार्यक्रम नहीं, सामाजिक मंच पर कही गई बात है। जिसे कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी तूल दे रहे हैं।

बावजूद पटेल ने इस मामले में अपने स्तर पर कुछ कैफियत देने का भी प्रयास किया है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को टैग कर एक पोस्ट किया, फिर डिलीट भी कर दिया। दरअसल मंगलवार रात 8:14 बजे पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने नड्डा को लिखा- मेरे मन में जनता सदैव जनार्दन रही, उसने नकारा हो या स्वीकारा हो, यह मेरी निष्ठा का अतीत है, वह आज भी है, लेकिन शुचिता की राजनीति, भ्रष्ट और बेईमानों को कैसे रास आएगी। लेकिन इसके करीब सवा घंटे बाद पटेल ने अपना पोस्ट डिलीट कर दूसरा पोस्ट भी कमोबेश यही किया लेकिन इस बार पोस्ट में उन्होंने जेपी नड्डा को टैग नहीं किया। उल्लेखनीय है कि पटेल ने जबलपुर में कहा था कि मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है । इसे राजनीतिक रंग दिया गया है। मैंने अपने स्वजातीय लोगों के बीच यह बात कही थी, जिसे मैं वर्षों से कहता आ रहा हूं और आगे भी कहूंगा।इस पर कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह ने कहा है कि समाज की राजनीति ही करना है तो पटेल को पद छोड देना चाहिये। वहीं इस मामले में भाजपा संगठन अभी चुप है। लेकिन माना जा रहा है कि भीतर ही भीतर इस मामले को शांत कराने की कोशिश जारी है।

# मध्यप्रदेश बोर्ड की दसवीं के अंग्रेजी के पेपर में 9 नकलची पकड़े, प्रकरण किए गए दर्ज

फाइल फोटो

**भोपाल।** मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की सोमवार को कक्षा दसवीं के अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। इस परीक्षा प्रदेशभर में 9 नकल प्रकरण दर्ज किए गए।

इसमें ग्वालियर में 1, दतिया में 1, शिवपुरी में 1, अशोक नगर में 1, छतरपुर में 1, दमोह में 1, भोपाल में 1, छिंदवाड़ा में 1 नकल प्रकरण शामिल है। बता दें कि इस साल दसवीं-बारहवीं कक्षाओं की परीक्षाओं में करीब 16.60 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से 12 बजे निर्धारित किया गया है।

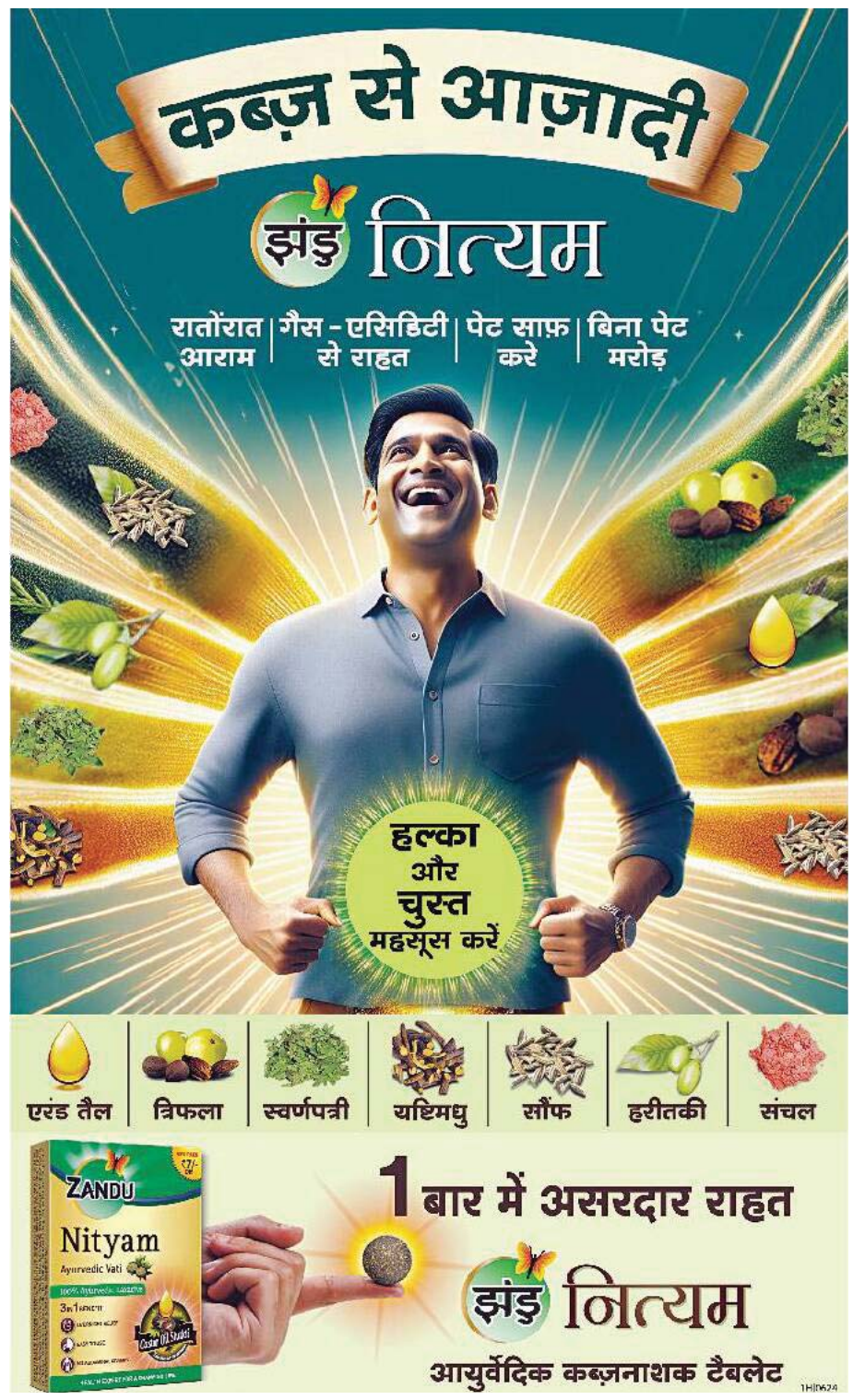


**मेट्रो एंकर** डिजिटल व्यवस्था के लिए प्रबंधन ने शुरू कर दिया काम

# बीयू में होगी पेपरलेस व्यवस्था, डिजी लॉकर में विद्यार्थियों को मिलेगी डिग्री सहित अन्य दस्तावेज

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय प्रशासन ने डिजिटल व्यवस्था पर काम शुरू कर दिया है। लगातार किए जा रहे बदलाव के साथ ही अब बीयू प्रशासन ने मार्कशीट, डिग्री सहित अन्य दस्तावेजों के काम को पेपरलेस करने का फैसला लिया है।

इसकी शुरुआत माइग्रेशन से की गई है। इससे विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी और उन्हे डिग्री, माइग्रेशन के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। बीयू डिजी लॉकर के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल डिग्री सहित अन्य दस्तावेज देगा।

### एक साल में 140क्विंटल कागज की खपत

दरअसल, बीयू में एक साल में एक साल में सात लाख से अधिक विद्यार्थी डिग्री, मार्कशीट एवं माइग्रेशन के लिए आवेदन करते हैं। इनको बनाने में लगभग 140 क्विंटल कागज की खपत होती है। अब नई व्यवस्था में दस्तावेजों को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को बीयू द्वारा तय राशि का ऑनलाइन भुगतान करना होगा। भुगतान होते ही दो मिनट में दस्तावेज विद्यार्थियों के पास होंगे। डिजिटल डिग्री या अंकसूची प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा। अपनी अकादमिक योग्यता, कॉलेज का नाम आदि जानकारी देनी होगी और सत्यापन पूरा होने के बाद बीयू डिजिटल डिग्री सर्टिफिकेट जारी करेगा।

### कुलपति-रजिस्ट्रार के होंगे ई-सिग्नेचर

कुलपति सुरेश कुमार जैन और रजिस्ट्रार आईके मंसूरी के ई-सिग्नेचर के साथ उक्त दस्तावेज डिजी लॉकर में अपलोड रहेंगे। बीयू में नई पुरानी डिग्रियों को ऑनलाइन संग्रहित करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

## संपादकीय

# बाजार में भ्रम, निवेशकों का पलायन

भारतीय शेयर बाजार के हाल और इसकी चाल हर निवेशक और बाजार के जानकारों को परेशान कर रही है। बाजार से विदेशी निवेशक लगातार पलायन कर रहे हैं। पिछले महीने शेयर बाजार में हुई भारी गिरावट से गहरी चिंता पैदा हो गई और हाल तक शेयर बाजार लगातार गोते लगा रहा है। बाजार अभी करीब 16 फीसद नीचे है। उधर बीते एक महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआइ ने चौंतीस हजार पांच सौ चौहत्तर करोड़ रुपए निकाल लिए। बाजार में गिरावट का यह रुख अक्तूबर से ही बना हुआ है। तब से लेकर अब तक भारतीय शेयर बाजार से करीब एक लाख करोड़ डालर से अधिक की निकासी हो चुकी है। यह अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं है। बताया जा रहा है कि 08 की वैश्विक मंदी के बाद विदेशी निवेशकों में यह सबसे बड़ा अफरातफरी का माहौल है। हालांकि सरकार इसे लेकर बहुत चिंतित नजर नहीं आ रही। वह अब भी यह बताते नहीं थक रही कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही है। जबकि हकीकत यह है कि विदेशी निवेशकों के भारतीय बाजार से पलायन का बड़ा कारण यहां की अर्थव्यवस्था का लगातार कमजोर होते जाना है। एफपीआइ में यह भरोसा नहीं रह गया है कि भारतीय बाजार में उन्हें उचित लाभ मिल पाएगा। हालांकि अमेरिकी और चीनी बाजार में भारत की तुलना में अधिक मुनाफा मिल रहा है, इसलिए निवेशकों ने उधर का रुख कर लिया है। हालांकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है, पर जिस तरह लगातार यह उतार पर है, वह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। यह केवल एफपीआइ के पलायन का मामला नहीं है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआइ भी लगातार कम हो रहा है। यानी विदेशी कंपनियां भारत में निवेश करना सुरक्षित नहीं मान रहीं। भारत में शुद्ध विदेशी निवेश घट कर 15.7 अरब डालर रह गया है। यानी पिछले बारह वर्षों में यह सबसे निचला स्तर है। इसका एक कारण तो यह है कि भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी काफी सिकुड़ चुकी है। बाजार में सुस्ती है। ऐसे में विदेशी कंपनियों के लिए निवेश करना मुनाफे का सौदा नहीं रह गया है। उन्हें यह भी भरोसा नहीं रह गया कि भारतीय बाजार कब तक सुधर पाएगा। सरकार के लिए यह इसलिए चिंता का विषय होना चाहिए कि शेयर बाजार में गिरावट और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में कमी अर्थव्यवस्था को और कमजोर करेगी। फिर, यह मामला भारतीय निवेशकों से भी जुड़ा है। अनेक सार्वजनिक कंपनियां शेयर बाजार में जो पैसा लगाती हैं, वह आम लोगों की जमापूंजी होती है। जब विदेशी निवेशक अपना पैसा निकाल कर पलायन करते हैं, तो नुकसान आखिरकार भारतीय नागरिकों को उठाना पड़ता है। बाजार में उतार का असर व्यावहारिक धरातल पर साफ नजर आने लगा है। महंगाई पर काबू पाना अब भी चुनौती है। पिछले आठ-नौ वर्षों से लोगों की आमदनी में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। बेरोजगारी कम होने का नाम नहीं ले रही। लिहाजा निर्माण क्षेत्र संकट के दौर में है। सेवा, खनन, वाहन, भवन निर्माण आदि क्षेत्रों में सुस्ती है। निर्यात मोर्चे पर बेहतरी नजर नहीं आ रही। ये स्थितियां विदेशी निवेशकों का भरोसा कमजोर कर रही हैं। दरअसल, कुछ कंपनियों का मुनाफा बढ़ने से पूरी अर्थव्यवस्था की सूरत नहीं बदली जा सकती। इसके लिए बुनियादी समस्याओं को दूर करना जरूरी है। वहीं शेयर बाजार पर विदेशी निवेशकों के रुख के अलावा अमेरिका के टैरिफ पालिसी का आतंक भी बार बार नजर आ रहा है। हालात इशारा कर रहा है अब सरकार को इसे समय पर समझकर कदम उठाने होंगे।

# दुनिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती है जलवायु परिवर्तन से निपटना

■ ज्ञानेन्द्र रावत

भारत की जलवायु परिवर्तन अब समूची दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। इसके लिए प्रकृति प्रदत्त मानव संसाधनों का बेतहाशा उपयोग और जंगलों का निर्ममता से किया गया अत्यधिक कटान तो जिम्मेदार है ही, इसमें भौतिक संसाधनों के सुख की मानवीय चाहत और विभिन्न क्षेत्रों के प्रदूषण के योगदान को भी नकारा नहीं जा सकता। बढ़ता वैश्विक तापमान और उसके चलते मौसम में आये अप्रत्याशित बदलाव का दुष्प्रभाव जीवन के हर पक्ष पर पड़ रहा है। इससे हमारा पर्यावरण, जीवन, रहन-सहन, भोजन, पानी, और स्वास्थ्य पर प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। तात्पर्य यह कि जीवन का कोई भी पक्ष इसके दुष्प्रभाव से अछूता नहीं है। असलियत में जलवायु परिवर्तन से बदलता मौसम भोजन, स्वास्थ्य और प्रकृति को जो नुकसान पहुंचा रहा है, उसकी भरपाई फिलहाल तो आसान नहीं दिखाई देती। हां, इसके चलते प्राकृतिक असंतुलन के कारण जन्मी आपदाएं भयावह रूप जरूर अख्तियार करती जा रही हैं जो तबाही का सबब बन रही हैं। धरती के लिए यह चेतावनी भी है कि अब भी समय है, संभल जाओ, यदि अब भी नहीं संभले, तो यह संकट लगातार गहराता चला जायेगा। तब इसका मुकाबला कर पाना बहुत मुश्किल होगा। आजादी के बाद के 70 सालों में जलवायु परिवर्तन से भारत में ही आपदाओं में आठ गुणा से भी ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसका खुलासा पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में कार्यरत संगठन 'आई फारेस्ट' की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक आजादी के बाद के शुरुआती सालों में जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदा यानी बाढ़, चक्रवात, हीटवेव आदि की तादाद कुल मिलाकर 27 ही थी, लेकिन उसके बाद के बरसों में इनकी तादाद बढ़कर आठ गुणा का आंकड़ा पार कर गयी। इसमें 1998 में गुजरात में व 1999 में ओडिशा में आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही, 2013 में उत्तराखंड में आई जल प्रलय और 2014 में आये हुदहुद और अम्फान नामक आये भीषण चक्रवात से हुई तबाही व 2019 में जून से सितम्बर के बीच मानसून मौसम में 110 फीसदी से अधिक हुई बारिश से देश के 14 राज्य बाढ़ के भीषण प्रकोप से प्रभावित रहे। फानी तूफान के कहर तथा 1998, 2002, 2003 और 2015 में हुई भीषण तापमान वृद्धि और भीषण लू की घटनाओं को लोग भूले नहीं हैं। यदि हम वर्ष 1991 से 2000 तक जलवायु परिवर्तन से होने वाली आपदाओं का जायजा लें तो इस दौरान 96 आपदाओं का देश को सामना करना पड़ा। जबकि उसके बाद वर्ष 2020 तक देश की जनता को 210 आपदाओं का कहर झेलना पड़ा। वर्ष 2024 तो देश के लिए अभूतपूर्व गर्मी की मार वाला रहा, अप्रैल से जुलाई तक सबसे खराब और सबसे लम्बे समय तक चलने वाली गर्मी की लहरों यानी भयंकर लू की मार सहने को देश विवश हुआ। इस दौरान देश के 741 जिलों में से लगभग 500 जिलों का दैनिक तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्यावरण और मानवाधिकार संगठन 'जर्मन वॉच' के क्लाइमेट इंडेक्स से खुलासा हुआ है कि जलवायु से जुड़ी आपदाओं में भारत दुनिया के शीर्ष 10 देशों में जिनमें डोमिनिका, चीन, होंडुरास, म्यांमार, इटली, ग्रीस, स्पेन, वानुआतू और फिलीपींस शामिल हैं, में छठे स्थान पर है और यहां साल-दर-साल आपदाएं विकराल होती जा रही हैं। बीते तीन दशकों में अकेले भारत में जलवायु परिवर्तन से जन्मी मौसमी आपदाओं से देश को कुल 180 अरब डालर का नुकसान हुआ और औसतन 4,66,45,209 लोग प्रभावित हुए। 1993 से 2022 के बीच देश में हुई चरम मौसमी घटनाओं में करीब 80 हजार लोगों की जानें गयीं। जबकि दुनिया में आठ लाख लोग मौत के मुंह में चले गये और 4.2 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इन आपदाओं से सालाना 2000 डॉलर का देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ पड़ रहा है, साथ ही 2675 जिंदगियां हर साल इनकी शिकार होती हैं। इस बारे में जलवायु विशेषज्ञ लारा शेफर कहते हैं कि समूची दुनिया में जलवायु संकट तेजी से खतरनाक होता जा रहा है। पिछले तीन दशक सबूत हैं कि ग्लोबल साउथ के देश विशेष रूप से चरम मौसमी घटनाओं से जूझ रहे हैं। हम जलवायु संकट के अप्रत्याशित और महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहे हैं। यह समाज को अस्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना सही है कि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लक्ष्य अब भी पहुंच से बाहर हैं। यही कारण है कि जलवायु आपदा टालने में दुनिया पिछड़ रही है। समय की मांग है कि समूचा विश्व समुदाय सरकारों पर दबाव बनाये ताकि वे समझ सकें कि इस दिशा में हम पिछड़ रहे हैं और तेजी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। यदि वैश्विक प्रयास तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने में कामयाब रहे तो भी दुनिया के 96.1 करोड़ लोगों के लिए यह सबसे बड़ी समस्या होगी। सबसे बड़ा सवाल लोगों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाने का है। यूरोपीय मानवाधिकार अदालत का भी मानना है कि दुनिया के देशों का दायित्व है कि वे अपने नागरिकों को जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचाने का हर संभव प्रयास करें।

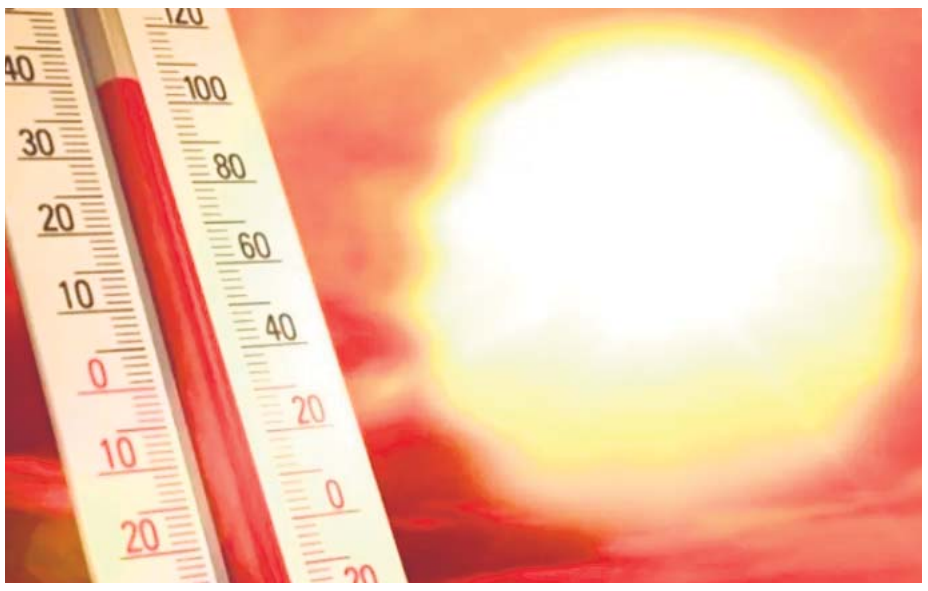

– साभार

# चेतावनियों के बावजूद एक और एवलांच हादसा

■ जयसिंह रावत

लोगों के बी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गत 27 फरवरी को गंगोत्री के शीतकालीन पूजास्थल मुखवा और हरसिल की यात्रा प्रस्तावित थी जो कि खराब मौसम की चेतावनी के कारण स्थगित हो गई। उसी मौसम विभाग ने 27 फरवरी को उत्तराखण्ड में मौसम के बहुत खराब रहने और हिमस्खलन की चेतावनी भी दी थी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण ने 27 फरवरी के लिए जो हिमस्खलन की चेतावनी जारी की थी उसमें अन्य क्षेत्रों की तरह चमोली जिले के लिए यलो एलर्ट में रखा गया था और 28 फरवरी के लिए रेड एलर्ट की गंभीर चेतावनी जारी की गई थी।उस गंभीर चेतावनी में हिमस्खलन के लिए जम्मू-कश्मीर के 9 जिलों, लद्दाख के कारगिल, हिमाचल प्रदेश के भी 4 जिलों और उत्तराखण्ड के चमोली जिले को शामिल किया गया था। रेड एलर्ट की चेतावनी 2400 मीटर से ऊपर के इलाकों के लिए थी और बाकी उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर के लिए यलो एलर्ट था। इन चेतावनियों के बावजूद चमोली जिले में माणा दर्रे और और बदरीनाथ के बीच लगभग 4000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित घस्तोली के निकट हिमस्खलन का इतना बड़ा हादसा हो गया जिसमें 55 मजदूर दब गए। जो कि मानव जीवन के प्रति एक घोर लापरवाही का ताजा तरीन उदाहरण है। हालांकि सौभाग्य से बर्फ के विशाल मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर तो निकाल लिया गया मगर इस संकट से बचने की सावधानी और सतर्कता अभी भी दफन नजर आ रही है। इस क्षेत्र में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भारत-तिब्बत सीमा के निकट स्थित मलारी और सुमना के बीच ऐसा ही एवलांच हादसा हुआ था जिसमें एक दर्जन से अधिक मजदूर एवलांच में दब कर मर गए थे। ये घटनाएं केवल चमोली जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में हिमालय की विशेष भौगोलिक स्थिति के कारण इस तरह की घटनाएं न केवल आम हैं अपितु जलवायु परिवर्तन के कारण इन घटनाओं में वृद्धि भी हो रही है। ये प्राकृतिक घटनाएं निरन्तर होती रहेंगी और इनसे बचाव का सबसे बड़ा उपाय सावधानी और सतर्कता ही है जो कि कहीं दिखाई नहीं दे रही है जिसका एक और जीता जागता उदाहरण माणा में सामने आ गया है। हिमालय क्षेत्र में हिमस्खलन एक गंभीर प्राकृतिक आपदा है, जो हर साल कई लोगों की जान लेती है। विशेष रूप से, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश जैसे क्षेत्रों में यह खतरा अधिक रहता है। ग्लोबल वॉर्मिंग, मानवजनित गतिविधियों और प्रशासनिक लापरवाही के चलते हाल के वर्षों में हिमस्खलनों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। इन क्षेत्रों में बर्फ की मोटी परतें जमा होती हैं, जो किसी भी हलचल, कंपन या तापमान परिवर्तन के कारण नीचे खिसक सकती हैं। पिछले कुछ दशकों में कई विनाशकारी हिमस्खलन हुए हैं। 2021 में उत्तराखंड के जोशीमठ के पास आए हिमस्खलन में कई मजदूर और सेना के जवान प्रभावित हुए थे। 2019 में सियाचिन ग्लेशियर में हिमस्खलन की चपेट में आकर भारतीय सेना के 4 जवान और 2 कुली मारे गए थे। 2016 में सियाचिन ग्लेशियर में ही एक और हिमस्खलन हुआ, जिसमें 10 सैनिकों की जान गई थी 2013 में उत्तराखंड त्रासदी में भी हिमस्खलनों ने तबाही मचाई थी। हालांकि, सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है लेकिन हिमस्खलन से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए पर्याप्त सावधानियां नहीं बरती जाती हैं। जलवायु परिवर्तन की अनदेखी इसका एक बड़ा कारण है। तापमान में वृद्धि के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे हिमस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा, निर्माण कार्यों का अंधाधुंध विस्तार भी खतरा बढ़ा रहा है। सड़कों, जलविद्युत परियोजनाओं और पर्यटन स्थलों के अनियंत्रित निर्माण से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है। समुचित चेतावनी प्रणाली का अभाव भी एक प्रमुख समस्या है, क्योंकि उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन की चेतावनी देने वाली तकनीक का अभाव है। आपदा प्रबंधन की कमजोर स्थिति के कारण राहत कार्यों में देरी होती है, जिससे जान-माल का अधिक नुकसान होता है। हिमस्खलन का सबसे अधिक खतरा उन इलाकों में होता है जहां अधिक ऊंचाई पर बर्फ जमती है और फिर कमजोर परतें बनकर नीचे खिसकता है। सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में सियाचिन ग्लेशियर, उत्तराखंड के बद्रीनाथ, केदारनाथ, जोशीमठ और पिथौरागढ़, हिमाचल प्रदेश के किन्नौर और लाहौल-स्पीति, लद्दाख और काराकोरम क्षेत्र, और सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश के ऊँचाई वाले इलाके शामिल हैं। इन क्षेत्रों में सेना और स्थानीय लोगों को हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। जाती हुसी सर्दियों में हिमस्खलन का खतरा सबसे अधिक मार्च के महीने में रहता है। हिमस्खलन के कई कारण हो सकते हैं। भूगर्भीय गतिविधियाँ जैसे भूकंप और हलचल बर्फ के बड़े टुकड़ों को अस्थिर कर सकते हैं। मानवजनित गतिविधियाँ, जैसे सड़क निर्माण, विस्फोट और भारी वाहन चलाने से कंपन पैदा होता है, जिससे बर्फ खिसक सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे बर्फ की स्थिरता प्रभावित हो रही है। अत्यधिक बर्फबारी और तेज हवाएँ भी बर्फ के कमजोर हिस्सों को अस्थिर कर सकती हैं। सर्दियों में भारी हिमपात के बाद यदि तापमान अचानक बढ़ता है, तो हिमस्खलन की संभावना अधिक हो जाती है। हिमस्खलन से होने वाली क्षति को रोकने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। अत्याधुनिक चेतावनी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए ताकि समय पर लोगों को सतर्क किया जा सके। संवेदनशील क्षेत्रों का नक्शा बनाकर वहां के विकास कार्यों को नियंत्रित किया जाना चाहिए। प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बचाव तकनीक और आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वनों को कटाई रोककर प्राकृतिक अवरोध बनाए जा सकते हैं, जिससे हिमस्खलनों के प्रभाव को कम किया जा सके। अनियंत्रित पर्यटन और भारी निर्माण कार्यों पर भी रोक लगाई जानी चाहिए। हिमस्खलन से पहले, रेडियो सुनें, टीवी देखें और समाचार पत्रों से मौसम अपडेट प्राप्त करें। यदि आधिकारिक चेतावनी जारी की जाती है, तो घर के अंदर रहें और सभी बाहरी योजनाओं को निलंबित कर दें। खड़ी ढलानों और संवेदनशील क्षेत्रों से बचें। निकासी योजना तैयार रखें और निकासी मार्गों को चिह्नित करें। यदि खतरा कम है, तो ढलानों पर सावधानीपूर्वक चलें और अपने ट्रैकिंग पथ को किसी कपड़े, लकड़ी की छड़ी आदि से चिह्नित करनी चाहिए। यदि हिमस्खलन में फंस जाएं, तो सतह के करीब रहने या किनारे की ओर हटने का प्रयास करें। किसी मजबूत वस्तु को पकड़ना चाहिए। एक हाथ से वायु जेब बनाकर सांस लेने की जगह बनाएं। यदि सतह तक नहीं पहुंच सकते, तो शांत और नियंत्रित रूप से सांस लें। शांत रहें और बचाव दल को संकेत देने के लिए नियमित रूप से सतह पर प्रहार करें।सतर्क रहें, तैयार रहें। हिमालयी क्षेत्र में हिमस्खलन एक गंभीर खतरा बना हुआ है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रशासन, वैज्ञानिक समुदाय और स्थानीय लोगों को मिलकर इस चुनौती से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और सतत विकास को अपनाने से ही हिमस्खलन के खतरों को न्यूनतम किया जा सकता है।

– साभार

**ऐसे देश में निवास न करें जहां आपका सम्मान न हो, आप अपनी आजीविका नहीं कमा सकते, कोई मित्र नहीं है, या ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते।**
**-चाणक्य**

## आज का इतिहास

■ 1046 = नासिर खुसरो ने अपने मध्यपूर्व सफ़र का आगाज किया और छह साल की इस यात्रा के बाद उन्होंने सफ़रनामा की रचना की, जिसे आज भी फ़ारसी भाषा की श्रेष्ठतम कृतियों में गिना जाता है।

1699 = महाराजा जय सिंह द्वितीय अम्बर के सिंहासन पर बैठे।

1783 = ज्योलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की स्थापना।

1931 = गांधी-इरविन संधि के बाद गांधी जी ने अपना सविनय अवज्ञा आंदोलन समाप्त कर दिया।

1953 = सोवियत संघ के जाने-माने नेता जॉसेफ स्टालिन के निधन की अफवाह दुनिया भर में फैल गई। उन्होंने 1928 में सोवियत संघ की सत्ता संभाली थी। एक दिन बाद उनकी मौत की पुष्टि की गई।

1958 = अमेरिका द्वारा फ्लोरिडा के केप केनवरा से छोड़ा गया सैन्य उपग्रह 2 एक्सप्लोरर पृथ्वी के वातावरण में वापस लौट आया और टुकड़े टुकड़े हो गया।

1966 = जापान के माउंट फूजी में ब्रिटिश ओवरसीज़ एयरवेज़ कॉरपोरेशन का एक बोइंग 707 प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार 124 लोगों की मौत हो गई।

1970 = परमाणु अप्रसार संधि को लागू किया गया। 24 नवंबर 1969 को इस संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे और इसे 45 देशों ने अनुमोदित किया था।

1987 = इक्वाडोर में एक के बाद एक कई भूकंपों से पूरे देश में भारी तबाही। सड़कें और पुल टूट गए और तेल की प्रमुख पाइपलाइन फट गई और भूस्खलन से गांव के गांव बह गए। करीब 2000 लोगों के मरने का अंदेशा, 75,000 से ज्यादा घायल हुए।

1993 = कनाडा के फर्राटा धावक बेन जानसन द्वारा प्रतिबंधित दवाओं के सेवन के कारण उसके एथलेटिक्स में भाग लेने पर जीवन भर के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया।

1998 = श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में बम विस्फोट में करीब 32 लोगों की मौत और 300 से ज्यादा घायल। हमले में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ

## निशाना

### है अंदर ये रार !

-कृष्णेन्द्र राय

कौन बनेगा दूल्हा ?
है अंदर ये रार ।।
अंदरखाने लगता है ।
हैं सब खबरदार ।।
आई बात निकल कर ।
किसको ये सौगात ?
शुरू हुआ है मंथन ।
सब लगे दिन रात ।।
वर्तमान में लेकिन ।
है बदला व्यवहार ।।
धीरे धीरे बैठकें भी ।
हैं लेनी आकार ।।
रुठना मनाना भी ।
चले शायद खेल ।।
आ रहा शिगूफा ।
खा रहा सब मेल ।।

# बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर 22 जनवरी से 8 मार्च तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है इसी कार्यक्रम के तहत दिनांक 4/3/25 को आंगनबाड़ी केंद्र 80 में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सेक्टर पर्यवेक्षक चेतना द्वारा उपस्थित बालिकाओं को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर महामारी स्वच्छता प्रबंधन एवं जागरूकता जेंडर समानता शाला त्यागी बालिकाओं का शाला में प्रवेश मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता एवं भी पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत जानकारी दी गई. पर्यवेक्षक द्वारा बताया गया की पीसीपीएनडीटी एक्ट में प्रसव पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्व निदान तकनीकी अधिनियम 1994 के बारे में विस्तृत में जानकारी दी गई

- बालिकाओं को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर, महामारी स्वच्छता प्रबंधन एवं जागरूकता एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट की जानकारी दी गई

जिसका उद्देश्य लिंग आधारित हत्या को रोकना और भारत के घटते लिंगानुपात को सुधारना है. कार्यक्रम में शाला की बालिकाओं द्वारा पौधा रोपण भी कराया गया कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से एएनएम सपना राठौर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मंजू सराठे रितु पथोरिया दीपा आठनेर शकुन नागवंशी सोनम घोड़के एवं गांव की समस्त बालिका एवं महिलाएं सम्मिलित हुई बालिकाओं द्वारा हाथों पर मेहंदी से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे एवं पेंटिंग बनाई गई.

### जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

# त्योंहारों पर सफाई, पेयजल, बिजली आपूर्ति का विशेष ध्यान रखें: कलेक्टर

**सभी जुलूस, चल समारोह आदि कार्यक्रमों की सूचना थाने में एवं सिटी मजिस्ट्रेट या अपने-अपने अनुविभागीय अधिकारी को अवश्य उपलब्ध कराएं**

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. आगामी त्यौहारों पर कानून व्यवस्था के संबंध में मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों द्वारा आगामी पर्वों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई एवं सुझाव दिए गए। बैठक में कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आगामी त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस, ट्रैफिक, आबकारी, होमगार्ड आदि विभाग अलर्ट मोड पर रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए की घाटों पर होमगार्ड विभाग द्वारा पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि घाटों पर स्नान दान एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान होमगार्ड के जवान एवं गोताखोर उपस्थित रहे। कलेक्टर ने आगामी होली एवं धूलेंडी त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए एसडीओपी पराग सैनी को निर्देश दिए कि मैरिज गार्डन आदि में खेली जाने वाली होली एवं रंग पंचमी पर्वों के दिन विशेष चौकसी रखी जाए।

कलेक्टर ने नगर पालिका को निर्देश दिए कि आगामी सभी पर्वों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। त्योहारों के दौरान पेयजल, विद्युत आपूर्ति की भी बेहतर व्यवस्था रहें। कलेक्टर सुश्री मीना ने नगर पालिका, एसडीओपी एवं सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए की आगामी पर्वों एवं त्योहार को देखते हुए जुलूस एवं चल समारोह के रूट, घाटों का भ्रमण कर वहां पर आवागमन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ का निरीक्षण कर उन्हे दुरुस्त कर लें। किसी भी स्थिति में ट्रैफिक जाम मार्ग अवरोध जैसी परिस्थिति उत्पन्न ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि डीजे एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का नियमानुसार एवं अनुमत्य सीमा में तथा कम से कम उपयोग हो। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियम अनुसार कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने शांति समिति के उपस्थित सदस्यों से भी अपील की है कि वह सभी परीक्षा काल को देखते हुए जिम्मेदारी पूर्ण तरीके से आगामी त्योहारों एवं आयोजनों को संपादित करें। शांति समिति के द्वारा दिए गए सुझावों को गंभीरता पूर्वक सुनने के बाद अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समिति द्वारा प्रस्तावित सुझावों पर आवश्यक कार्यवाही संपादित किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा है कि सभी जुलूस, चल समारोह आदि कार्यक्रमों की सूचना थाने में एवं सिटी मजिस्ट्रेट या अपने-अपने अनुविभागीय अधिकारी को अवश्य उपलब्ध कराएं।

### आगामी प्रमुख पर्व एवं त्योहार जिन पर चर्चा हुई

जिले में आगामी प्रमुख पर्व 13 मार्च को होलिका दहन एवं स्नान दान व्रत पूर्णिमा, 14 मार्च को होली उत्सव, 15 मार्च को बसंत उत्सव, 19 मार्च को रंग पंचमी, 30 मार्च को चैत्र नवरात्र प्रारंभ, 31 मार्च को ईद उल फितर झूलेलाल जयंती, 6 अप्रैल को रामनवमी, 10 अप्रैल को महावीर जयंती, 12 अप्रैल को श्री हनुमान जयंती, 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती, 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे, 27 अप्रैल को स्नान दान अमावस्या, 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया, 12 में को बुद्ध पूर्णिमा आदि पर्व मनाए जाएंगे।

### शांति समिति की बैठक संपन्न

# होली पर्व पर महिलाओं पर ऐसे कमेंट्स न करें जिससे विवाद की स्थिति बने:राव

इटारसी, दोपहर मेट्रो

होली एवं ईद त्यौहार को देखते हुये मंगलवार को रेस्ट हाउस में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसडीएम टी प्रतीक राव, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चोरे, तहसीलदार शक्ति सिंह तोमर, एसडीओपी वीरेंद्र सिंह मिश्रा,टीआई गौरव सिंह बुंदेला,वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पगारे एवं नगरपालिका सीएमओ रितु मेहरा मुख्य रूप से उपस्थित हुये।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चोरे ने कहा कि पूर्व की तरह शहर में शांति व्यवस्था बनी रहे। नगरपालिका द्वारा होली पर शहर

के सभी वार्डो में सुबह और शाम पानी दिया जायेगा।इस अवसर पर एसडीएम टी प्रतीक राव ने कहा कि होली के त्यौहार पर होली खेलते हुये महिलाओं पर कोई भी कमेंट न करे,जिससे महिला उस कमेंट को छेड़छाड़ समझे। होली पर शराब का सेवन नही करें, साथ ही अगर शहर में अवैध शराब, गांजा बिकते दिखाई दे तो उसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दे।इसके अलावा होली खेलते हुये रंगों का विशेष ध्यान रखे। एसडीओपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि दोनों त्यौहारों पर शांति व्यवस्था बनी रहे।होली पर पूरे शहर में शांति रहे इसको लेकर पुलिस की टीम लगातार गश्त करेगा।टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने कहा कि होली का त्यौहार पूर्व की तरह शांति से मनाया जाये।पुलिस की टीम होली पर 24 घण्टे गश्त करेगी।शहर के सवेदनशील स्थानों पर पुलिस जवानों को तैनात किया जायेगा।सीएमओ रितु मेहरा ने कहा कि होली एवं ईद पर पानी की कमी नही होने देंगे।वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पगारे ने कहा कि रात्रि 11 बजे से रात्रि 2 बजे तक होली का दहन किया जाये।

# पीआईसी के निर्णय: अटल पार्क से नवग्रह दुर्गा मंदिर तक रोड अब लाडली लक्ष्मी पथ कहलाएगा

**स्वच्छ सर्वेक्षण में नम्बर एक आने के लिए नपा तेज करेगी कार्य**

इटारसी, दोपहर मेट्रो

प्रेसीडेंट इन काउंसिल की बैठक का आयोजन मंगलवार को नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने आयोजित की। बैठक सीएमओ रितु मेहरा सहित 6 सभापति कल्पेश अग्रवाल, गीता देवेंद्र पटेल, अमृता मनीष ठाकुर, राकेश जाधव, मीरा यादव, नाजिया शहबाज बेग मौजूद रहे।

बैठक में तय हुआ कि अटल पार्क मेजर ध्यानचंद चौराहे से नवग्रह दुर्गा मंदिर तक रोड का नाम अब लाडली लक्ष्मी पथ होगा। नगरपालिका इस रोड का सौंदर्यीकरण करा रही है। इसमें सडक के दोनों ओर पेयबल ब्लॉक लगाए जा रहे हैं वहीं दीवारों को भी आकर्षक कलाकृतियों की आकृति से पेंट किया जा रहा है। आने वाले समय में इस रोड को नपा आदर्श रोड जैसा बनाएगी।

नपा अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि नगरपालिका की जमीन से जुडे एक मामले में सजा पाकर जेल में मौजूद निलंबित एआरआई संजीव श्रीवास्तव को बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय भोपाल कार्यवाही के लिए भेजा जाएगा।

इसी तरह स्वच्छ सर्वेक्षण में शहर प्रथम आए इसके लिए कार्ययोजना की रुप रेखा फाइनल की गई।

# परिवार के घरों के रास्ते पर बने दो अतिक्रमण नगरपालिका ने पुलिस के कड़े पहरे में तोड़े

### नगरपालिका अध्यक्ष, सीएमओ भी रही मौके पर मौजूद

इटारसी, दोपहर मेट्रो

इटारसी नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 में दो प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण पर जेसीबी का पंजा चला। मंगलवार को नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ रितु मेहरा, एई मीनाक्षी चौधरी खुद अतिक्रमण तुडवाने के लिए मौके पर पहुंचे थे। इस दौरान किसी तरह का उपद्रव न हो इसलिए पुलिस का पहरा भी यहां था। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 14 के एक हिस्से में करीब 100 परिवार रहते हैं, उनके मुख्य रास्ते पर अतिक्रमण कर कच्चे मकान बना लिए गए थे, जिससे रहवासियों को नए बसे समरसता नगर से होकर आना पडता था। अब अतिक्रमण

टूटने से वे सीधे मुख्य मार्ग पर आ सकेंगे। चौरे ने बताया कि नागरिकों की काफी समय से मांग थी कि उनके निकलने वाली सडक पर दो लोगों ने अतिक्रमण कर लिया था। इसलिए मंगलवार को दोनों अतिक्रमण तोडने की कार्रवाई जेसीबी के माध्यम से की गई। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने पुलिस का भी धन्यवाद दिया है, पुलिस भी सारे समय मौके पर मौजूद रही।

# आरक्षण की नीतियों के खिलाफ होगा आंदोलन, बैठक में तय होगी रूपरेखा

**नर्मदापुरम.** वोट की राजनीति ने आरक्षण को संरक्षण देकर वर्ग भेद को उत्साहित किया है जबकि सामान्य वर्ग चाहता है कि प्रतियोगिता एक जैसी होनी चाहिए जहां एक और 50त्न नंबर देकर डॉक्टर इंजीनियर प्रशासनिक अधिकारी बना दिए जाते हैं वहीं दूसरी ओर 80त्न का विद्यार्थी बेरोजगार घूमता रहता है हमारा मानना है कि 30 की जगह 60त्न नौकरी उन्हें दी जाए लेकिन प्रतिस्पर्धा एक जैसी होनी चाहिए सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता।मंचके संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत अध्यक्ष अरुण दीक्षित महामंत्री के एन त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से कहा कि अनुसूचित जनजाति की वह महिला सौभाग्य शाली है जिन्हें एक करोड रुपए लोन लेने की पात्रता मिल रही है वहीं दूसरी और सामान्यजाति की बहन बेटियों के लिए सरकार द्वारा योजना नहीं बनाई गई जिससे वह अपने परिवार का भरण पोषण कर सके अगर समीक्षा की जाए तो आज भी गरीब अनुसूचित जनजाति के कई युवक आज भी आरक्षण के लाभ से वंचितहैं वहीं बड़े लोग आज भी आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं चाहे जो भी हो सरकार रही हो उन्होंने सामान्य वर्क के लिए ऐसी योजना नहीं बनाई जिससे उनका लाभ मिल सके सरकार को चाहिए की नीतियों की समीक्षा जाना चाहिए जहां वर्ग भेद की गुंजाइश नहीं रहे सरकार अगर इस और ध्यान नहीं देती है तो निश्चित थी सामान्य वर्ग आरक्षण की नीतियों के खिलाफ आंदोलन करेगा जिसकीसंपूर्ण जवाबदारी शासन एवं सरकार की रहेगी. सपाक्स संघ के वर्मा अरविंद तिवारी केसरी सिंह राजपूत वैशाली मेहनत के के शर्मा पीसी डॉक्टर मयंक तोमर राहुल शर्मा आयुष चौहान सहित सभी सदस्यों ने यह आवाहन किया है कि अगली बैठक में तारीख तय करके आंदोलन का शंखनाद किया जाएगा.

# शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में निकाला फ्लैग मार्च

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

आगामी त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था के उपलक्ष्य में शहर में रैपिड एक्शन फोर्स के साथ दोनों थानों के थाना प्रभारी एवं बल सहित शहर के प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील मुख्य स्थान से फ्लैग मार्च निकाला गया। रैपिड एक्सन फोर्स द्वारा थानों में जाकर परिचय अभ्यास किया। इसका मुख्य उद्देश्य दंगा या दंगों जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए किया गया है। रैपिड एक्शन फोर्स की 15 बटालियन भारत के विभिन्न प्रदेशों के अलग-अलग जिलों में तैनात हैं। इस परिचय अभ्यास के दौरान, रैपिड एक्शन फोर्स की टीम द्वारा शहर में फ्लैगमार्च किया और वहाँ की भौगोलिक, सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक इत्यादि जानकारियाँ एकत्रित की। परिचय अभ्यास का उद्देश्य प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ सामंजस्य बनाकर विपरीत परिस्थितियों में कार्य करना है। जिससे आम जनमानस में प्रशासन एवं पुलिस पर विश्वास बना रहे।

**मेट्रो एंकर** कक्षा 12वीं के पेपर में केंद्राध्यक्ष ने तख्ती के साथ परीक्षा में बैठने की दी अनुमति

# सीएम राइज स्कूल के परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों में खुशी की लहर

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

कक्षा 12वीं के पेपर में केंद्र के अंदर तख्ती ले जाने पर केंद्र अध्यक्ष द्वारा लगाई रोक मंगलवार को हटा दी गई। ज्ञात हो कि कक्षा 12 वीं के परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में तख्ती ले जाने पर पूर्व में रोक लगा दी गई थी जिसकी वजह से परीक्षार्थियों के अभिभावाको ने अपनी नाराजगी जताई है। साथ ही परीक्षा केंद्र में अनेक टेविले खराब होने के कारण साथ टेविले हिलने के कारण परीक्षार्थियो को भी परेषानियां हो रही थी जिस कारण परीक्षार्थियो का भी समय खराब होने के कारण नाराजगी व्यक्त की गई थी।

शुक्रवार को 12 कक्षा का अंग्रेजी का पेपर था। जब परीक्षार्थी पेपर देने तख्ती लेकर पहुंचे तो सीएमराईज के परीक्षा केंद्र प्रभारी सुनील चैरसियां ने सभी परीक्षार्थियो को तख्ती लेकर अंदर जाने से मना कर दिया गया था। सभी छात्र-छात्राएं बिना तख्ती के पेपर देने अंदर गए लेकिन परीक्षा केंद्र के कमरों में कुछ टेबिलें खराब होने के कारण टेबिल हिल रही थी इस बात

परीक्षा केंद्र में तख्ती ले जाने पर रोक अभिभावक एवं परीक्षार्थी नाराज

**खबर का असर**

की जानकारी जब मीडिया को लगी तो 'पट्टी पर प्रतिबंध' की इस खबर को शनिवार को दैनिक दोपहर मेट्रो ने प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद केंद्राध्यक्ष ने बच्चों की परेशानी को

फोटो : विशाल रजक।

समझते हुए मंगलवार को नई तख्तीयो के साथ बच्चों को केंद्र में प्रवेश दिलवाया इसके बाद बच्चों को काफी अच्छा लगा एवं खुश होकर पेपर दिया पेपर देकर बच्चे एवं उनके अभिभावक प्रसन्न नजर आए इस संबंध में केंद्राध्यक्ष सुनील चौरसिया ने बताया कि ऊपर से निर्देश थे कि बच्चों को केवल प्रवेश पत्र एवं पेन लेकर ही परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश दिलाना है केंद्र में पर्याप्त फर्नीचर की व्यवस्था है लेकिन केंद्र में निजी स्कूल के बच्चे भी परीक्षा दे रहे हैं मुझे जानकारी नहीं थी कि प्राइवेट स्कूलों के बच्चे भी बैठे हुए हैं क्योंकि सरकारी स्कूलों में तो फर्नीचर की व्यवस्था शुरू से रही है लेकिन प्राइवेट स्कूलों में बच्चों ने पढ़ाई बिना फर्नीचर पर बैठे हुए की है जिसके कारण बच्चों को परीक्षा में फर्नीचर पर बैठकर परीक्षा देने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा इस बात की जानकारी मुझे जब लगी तो मेरे द्वारा बच्चों को नई तख्तिकों के साथ प्रवेश देने की अनुमति दी गई है मंगलवार को कक्षा 12वीं के भौतिक शास्त्र के पेपर में 79 बच्चे जिसमै पूरे बच्चे उपस्थित रहे एवं अर्थशास्त्र के पेपर में 110 बच्चों में से 106 बच्चों ने सीएम राइज परीक्षा केंद्र में परीक्षा दी है 4 बच्चे अनुपस्थित रहे हैं

मनमानी : मुख्यालय पर नहीं रहता मंडी का अधिकांश स्टाफ

# 12 बजे आते हैं और 3 बजे गायब, कैसे रुके चोरी, ड्रेस में भी नहीं आते कर्मचारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

शासन के निर्देशों की कृषि मंडी में खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है केंद्रीय कृषि मंत्री का गृह जिला और मुख्यमंत्री किसानों के हित में लगातार कदम उठा रहे हैं। इसके बाद भी विकासखंड की मंडी में काम करने वाला अधिकांश स्टाफ मुख्यालय पर नहीं रहता है बाहर से ही अधिकारी कर्मचारी अप डाउन करते है। इस वजह से मंडी के हालात दिन ब दिन खराब हो रहे हैं अधिकांश स्टाफ 12 बजे के करीब आता है और 3 के बाद गायब हो जाता है। इसके चलते मंडी के ग्रेड में भी बदलाव नहीं होगा । इनकी मनमानी की सजा किसानों को भुगतनी पड़ रही है ।अनाज चोरी की घटनाएं लगातार सामने आतीं हैं।

इनको रोकने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा से लेकर एसडीएम हर्षल चौधरी भी मंडी के अधिकारी तथा कर्मचारियों को कड़े निर्देश दे चुके हैं, लेकिम अमल नहीं हो रहा है। मंडी के अधिकारी ,कर्मचारी मंडी के कांटों का भ्रमण करने जाते ही नहीं है जब किसी किसान के साथ-फसल चोरी की घटना होती हो जाती है तो मंडी में स्टाफ को खोजना पड़ता है जबकि वो गायब रहता है।

### समय पर आए स्टाफ

मंडी में फसलों की आवक शुरु होने के बाद सुबह 10 बजे से 11 बजे तक रात तक तुलाई होती है। इस दौरान अनाज चोरी के मामले भी सामने आते इन पर करवाई करने के लिए स्टॉप नहीं रहेगा तो कार्रवाई कौन करेगा? स्टाफ को मंडी में समय पर और जाने की पहल करनी होगी तभी चोरी रुकेगी।

### इनका कहना है

मंडी का स्टाफ मुख्यालय पर नहीं रहता है तो ओच निरीक्षण करवाएंगे कार्रवाई भी करेंगे चोरी रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे ड्रेस कोड का भी पालन करवाएंगे।

-हर्षल चौधरी एसडीएम एवं प्रशासक

### ड्रेस कोड का पालन हो

मंडी में ड्रेस कोड लागू होने के बाद भी स्टाफ इसका पालन नहीं करता। वरिष्ठ अधिकारियों को लापरवाही से काम करने वाले मंडी के स्टॉप पर लगाम लगानी होगी तभी परिवर्तन होगा नहीं तो हालात और भी ज्यादा खराब हो जाएंगे

अवैध कॉलोनी काटने वालों के हौसले बुलंद

# भूमाफियाओं के आगे बेबस प्रशासन नोटिस से आगे नहीं हो रही कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अवैध रूप से कॉलोनी काटने बालों पर कलेक्टर रोशन सिंह ने कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे 2 महीने से अधिक का समय भी जाने के बाद कार्रवाई नोटिस से आगे नहीं बढ़ पा रही इसे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि भू माफिया ओ के आगे कलेक्टर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं तभी तो अवैध रूप से कॉलोनी काटने का कारोबार रुकने का नाम नहीं इनके हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि कृषि भूमि पर भी कॉलोनी काटने कार्य किया जबकि कलेक्टर ने अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए पर इनके निर्देश का पालन जमीन पर होते हुए दिखाई नहीं दे रहा है। जिसके कारण अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है बड़ी संख्या में नई कालोनियां शहर के चारों ओर बन रही हैं। इन्हें प्रशासन की कार्रवाई का कोई डर नहीं है।

पहले तो कृषि भूमि को कुछ सालों तक खाली छोड़ देते थे पर अब इनके द्वारा फसल लगी भूमि पर भी कॉलोनी काटने काम बखूबी किया जा रहा है। इन दिनों रोहिल पुरा चौराहे के बायपास मार्ग में कॉलोनियां काटने का काम बड़े स्तर पर हो रहा है लोक

लुभावने सपना दिखाकर और कच्चे रास्ते बनाकर इस काम को बखूबी अंजाम दिया जा रहा है। इस तरह की हिम्मत कॉलोनाइजर जब जुटा रहे हैं जब कलेक्टर ने अवैध रूप से कॉलोनी काटकर जनता के साथ छल कपट करने वाले कॉलोनाइजर पर सख्त कार्रवाई करने से लेकर मामला दर्ज करवाने के निर्देश दिए हैं। जिनके कंधों पर कलेक्टर के आदेश को लागू करवाने की जिम्मेदारी उनकी अनदेखी के कारण धरातल पर कुछ और ही देखने को मिल रहा है कागजों में ही कार्रवाई हो रही है वास्तविकता में कुछ नहीं हो रहा है। यह भी कहा सकते हैं कि भूमाफियाओं पर प्रशासन की करवाई नगर में केवल नोटिस तक सीमित होकर रही है गई एसडीएम ने केवल पथरिया सियल पुर में कुछ कॉलोनीयों को विक्रय से प्रतिबंध किया है । शहर में 100 से ऊपर अवैध कॉलोनी बन रही है।प्रशासन के द्वारा इन कॉलोनाइजर के ऊपर आगे की कार्रवाई नहीं की जा रही हैं एसडीएम ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के लिए 55 कॉलोनियों पर अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन कलेक्टर को भेज दिया है। बाकी कार्यकाल होने पर नोटिस की कार्रवाई गतिशील है दूसरी ओर इसी बीच संख्या और बढ़ रही है। वहीं कलेक्टर कार्यालय से कार्रवाई की फाइल आगे नहीं बढ़ रही है जिसके चलते जनता में भी कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं ।पहले भी अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों के ऊपर कारवाई करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए हर बार नोटिस से ज्यादा की कार्रवाई अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर नहीं होती है । इस बात का एहसास भी है प्रशासन को भूमाफिया करते रहते हैं उन पर कार्रवाई कीमत कोई नहीं कर पाया है उनके आगे सब फेल हो जाते हैं। इस बार भी इसी तरह की स्थिति बनती हुई नजर आ रही है कई महीने बीतने जाने के बाद भी कलेक्टर ऑफिस से आगे कार्रवाई भूमाफियाओं पर नहीं हो पा रही है । इन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन को अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने पर इनको विक्रय से प्रतिबंधित करना होगा तभी यह मानेंगे। नहीं तो अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों इसी तरह अपना धंधा चलाते रहेंगे और जनता सरकार को चूना लगाते रहेंगे।

### इनका कहना है

अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर करवाई गतिशील चल रही है . यदि कृषि भूमि पर कॉलोनी कट रही है तो जांच के बाद कार्रवाई करेंगे।

-अनिल डामोर, अपर कलेक्टर

निजी वेयरहाउस में डाल रहे कोपरा, शासन को लगा रहे लाखों रुपए की चपत

# रात के अंधेरे में धड़ल्ले से हो रहा अवैध खनन, भू-माफियाओं के हौसले बुलंद

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर सहित ग्रामीण अंचलों में भू माफियों के हौसले बुलंद हो चुके हैं। जिम्मेदारों के संरक्षण में यह सब हो रहा है। प्रतिदिन खनन से लदी सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार इन लोगों पर कोई कार्रवाई करते नहीं दिखाई दे रहे। ऐसा ही एक मामला सोमवार को सामने आया जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहू प्रसारित हो रहा है। जिसमें मुरम, कोपरा से भरी दर्जनों ट्रैक्टर ट्रालियां एक वेयरहाउस में खाली कर रही हैं। लगातार शिकायतों के बाद भी यह कारोबार रुक नहीं रहा है, जिससे प्रशासन की कार्य प्रणाली पर भी तमाम तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि नगर से 4 किलोमीटर दूर मुख्य सड़क पर बने एक वेयरहाउस में निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें लेवल के लिए कोपरा की आवश्यकता है इसके लिए पास के ही छिपीखेड़ी गांव के किनारे स्थित ज्वारी नदी के पास से रात के अधेरे में दर्जनों ट्रैक्टर मुरम, कोपरा भरकर ला रहे हैं खुलेआम जेसीबी से कोपरा निकाला जा रहा है। लेकिन मजाल है की जिम्मेदार कार्रवाई कर सकें।

स्थानीय जिम्मेदार प्रशासन की उदासीनता के चलते शासकीय भूमि को माफिया रात दिन जेसीबी से खोद कर ग्रामीण अंचलों सहित शहर में मुरम कोपरा बेच रहे हैं। रोजाना लाखों रुपए की चपत शासन को लगा रहे हैं। जबकि विदिशा कलेक्टर के सख्त निर्देश है यदि कहीं भी अवैध उत्खनन हो रहा है तो कड़ी कार्रवाई की जाए। लेकिन स्थानीय प्रशासन इसके बावजूद भी

### सरकार को लगत रहे चपत

एक वेयरहाउस में रात के अंधेरे में खुलेआम मुरम, कोपरा डाला जा रहा है, जिसमें हजारों डंपर कोपरे की आवश्यकता है। दो दिनों से लगातार रात के अंधेरे में उक्त वेयरहाउस में मुरम कोपरा डाला जा रहा जिससे शासन को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है साथ ही भू माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। वहीं जिम्मेदारी अधिकारी मौन हैं।

### प्रशासन दिख रहा बेबस

रोज रात्रि के समय में जेसीबी मशीन द्वारा कोपरा निकाला जाता है और अवैध कॉलोनियों मे डाला जा रहा है। जिस पर स्थानीय प्रशासन मूक दर्शन बना दिखाई पड़ रहा है। इसके अलावा खनिज विभाग भी कार्रवाई करने से क्यों परहेज करता है ऐसा लगता है कि प्रशासन बेबस है।

इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है, यही वजह है कि अब इन भू माफियाओं के हौसले दिन प्रतिदिन बुलंद होते जा रहे हैं। वही ग्रामीणों का कहना है कि इन भू माफियाओं को किसी का भय नहीं है इतना संरक्षण है कि यदि ग्रामीण कभी बोल भी दें कि वाहन धीरे चलाएं तो लड़ने को उतारू हो जाते हैं। कई बार मारपीट भी कर चुके हैं, इसलिए कोई शिकायत नहीं करता है। जैसे ही रात्रि में 9 बजतें हैं ग्रामीण बाहर निकालने की हिम्मत तक नहीं दिखापाते।

माफिया अवैध खनन कर

### माफियाओं को मिल रहा राजनीतिक संरक्षण

ऐसा माना जा रहा है कुछ राजनीतिक दलों के नेता भी अप्रत्यक्ष रूप से इस धंधे में शामिल हैं। यहीं कारण है कि अवैध उत्खनन के खिलाफ किसी भी राजनीतिक दलों व नेताओं के खिलाफ कभी कोई आवाज नहीं उठाता।

सरकार को लाखों के राजस्व की चपत लगाकर अपनी जेब भर रहे हैं। क्षेत्रवासियों में इन भू माफियों की दहशत फैली हुई है। क्योंकि क्षेत्र के ग्रामीण जब भी इनकी शिकायत करने तहसील कार्यालय पहुंचते हैं, तो वाद विवाद की स्थिति बन जाती है और कई बार ऐसा भी सामने आया है जब इन माफियों द्वारा शिकायत कर्ताओं के साथ मारपीट की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। इसके बावजूद भी जिम्मेदार खनन माफिया के खिलाफ कोई बड़ी कार्रवाई करते नहीं दिखें हैं।

### इनका कहना है

मुझे सूचना मिली है, हम तहसीलदार को भेज रहे हैं, क्या स्थिति है मौका मोयना के बाद ही पता चल सकेगा। इसके अलावा हमें जहां से भी शिकायत मिलती है, हम तुरंत कार्रवाई करते हैं यदि अभी भी कोई शिकायत करता है, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- हर्षल चौधरी एसडीएम

### पीडीएस का गेहूं, चावल, मीडियाकर्मियों को देखकर मोटरसाइकिलें छोड़कर भागे

सिरोंज। विकासखंड में खाद आपूर्ति विभाग के अधिकारीयों की मिली भगत से खुलेआम राशन की कालाबाजारी रही है। इनके द्वारा अब तो इस काम को इनके द्वारा दिनदहाड़े पीडीएस की सप्लाई करने वाली गाड़ी से ही इस काम को अंजाम दिया जा रहा है। इनके कारनामे को मीडिया ने पकड़ लिया तो इसको छोड़ी गायब हो गए हैं फूड बिभाग के अधिकारी कार्रवाई करने के लिए भी नहीं आए।पुलिस ने बताया लटेरी रोड पर आईटीआई नाके पर एक पीडीएस की गाड़ी जा रही थी उसमें से एक बोरी चावल की तथा एक बोरी गेहूं की सड़क किनारे उतार कर चला गया दो युवक मोटरसाइकिल पर रखकर ले जा रहे थे तभी मीडिया कर्मियों पहुंच गए तो यह पीडीएस के गेहूं, चावल के साथ मोटरसाइकिल को छोड़कर दोनों युवक भाग खड़े हुए।

# भारतीय किसान संघ ने मनाया स्थापना दिवस , लगे धर्म कांटा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को भारतीय किसान संघ स्थापना दिवस पर क़ृषि उपज मंडी के विश्रामगृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया सविनय भगवान बलराम जी तथा हल की विधिविधान पूजा अर्चना की। भारतीय किसान संघ तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र पालीवाल ने भारतीय किसान संघ के द्वारा कृषकों के हित में निरंतर काम कर रहा है किसानो के अधिकारों के लिए सरकार के समने मजबूती से मांग पत्र रखकर उनका पूर्ण भी करवाने का कार्य करता है आगे भी करता रहेगा भारतीय किसान संघ के स्थापना दिवस पर विस्तार से बताया वहीं कार्यकर्ताओं ने भारतीय किसान संघ की नीति पर विचार किया एवं आगे की योजना बनाई गई। बैठक में

मंडी के विषय में भी विचार किया यहां पर धर्म कांटे से ही सभी किसानों की अनाज की तुलाई हो जल्द इसके संबंध में सभी कार्यकर्ता ने मंडी के वरिष्ठ कर्मचारियों से मिलकर यह व्यवस्था सुधार लागू करने के लिए चर्चा करते हुए इस व्यवस्था को शीघ्र लागू करने पर जोर दिया इसके अलावा अनाज चोरी रोकने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं सभी अधिकारी कर्मचारी पूरे समय मंडी में किसानों के हित में काम करें इसके संबंध में भी मांग रखी। इसदौरान बड़ी संख्या भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता मौजूद थे।

# सांसद बंटी साहू प्रदेश की जनता से माफी मांगें कमलनाथ का अपमान मप्र का अपमान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद विवेक साहू द्वारा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बारे में दिए गए बयान ने राजनीतिक हलकों में तूफान मचा दिया है। कांग्रेस पार्टी के नेता सुभाष बोहत एडवोकेट पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुभाषिनी बोहत गोदरे एडवोकेट पूर्व पार्षद आशा बोहत एडवोकेट ने इस बयान की कड़ी निंदा की है और मोहन यादव से तत्काल माफी मांगने की मांग की है।

कमलनाथ ने हाल ही में एक कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस अधिकारियों को फटकार लगाई थी, जिस पर विवेक साहू ने प्रतिक्रिया

व्यक्त की थी। लेकिन कांग्रेस पार्टी का कहना है कि विवेक साहू का बयान न केवल निंदनीय है, बल्कि यह भाजपा के बेलगाम बयानों का भी सबूत है । कांग्रेस पार्टी के प्रदेश महामंत्री सुभाष बोहत एडवोकेट ने कहा है कि कमलनाथ जी के योगदान का आकलन करना भाजपा के किसी भी नेता के बस की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि विवेक साहू का बयान बेतुका है और यह उनके चरित्र और नासमझी का प्रदर्शन है ।

इस मामले में कांग्रेस पार्टी ने विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। पार्टी के कार्यकर्ता छिंदवाड़ा में विरोध प्रदर्शन करेंगे और विवेक साहू से माफी मांगने की मांग करेंगे ।

### प्राण घातक हमला करने वाले आरोपियों पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज। पिछले दिनों ग्राम अहमदाबाद खिल्ली के रहने वाले लक्ष्मीनारायण अहिरवार पर प्राण घातक हमला हो गया था इसके बाद इनको गंभीर हालत में परिजनों ने इनको भोपाल में भर्ती कराया गया जहां पर इनकी हालत गंभीर बनी हुई है। जिसको लेकर पीड़ित पक्ष के परिजनों ने मंगलवार को एसडीएम के नाम तहसील कार्यालय में आवेदन देते हुए कहा कि लक्ष्मी नारायण अहिरवार पर, सगीर खान और इरशाद ने मिलकर प्राण घातक हमला किया था पुलिस इस घटना को अंजाम देने वाले को गिरफ्तार नहीं कर रही हैं यहां खुलेआम घूम रहे हैं।

### सीएम को लिखा पत्रः समर्थन मूल्य पर 5 क्विंटल बीघा से हो खरीद

सिरोंज। समर्थन मूल्य पर सरकार के द्वारा मसूर की खरीदी 2 कुंतल 80 किलो बीघा के हिसाब से खरीदी करने के आदेश जारी किए गए हैं ।जिसको लेकर किसानों के हित में जिला पंचायत सदस्य निशा भगत सिंह रघुवंशी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखने हेतु कहा कहा कि किसानों की मसूर की फसल समर्थन मूल्य पर 5 कुंटल बीघा के हिसाब से करवाई जाए इस बार एक बीघा में 5/6 कुंटल के करीब निकल रही है यदि इस हिसाब से खरीदी नहीं होगी तो किसान अपनी फसल को पूरी तरह से समर्थन मूल्य पर विक्रय नहीं करवा पाएंगे उन्होंने के पक्ष में आग्रह करते हुए कहा कि जल्दी ही उचित कदम उठाकर समर्थन मूल्य पर उपज खरीद की मात्रा में वृद्धि करने के लिए कार्य किया जाए ।

**मेट्रो एंकर** मुझे जो सम्मान मिला उसके पीछे मेरे पत्रकार साथी और टीम के सदस्यो का विशेष सहयोग रहा : डॉ अरूण सक्सेना

# लन्दन बुक ऑफ अवार्ड से सम्मानित हुए वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सक्सेना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

वरिष्ठ पत्रकार डॉ अरुण सक्सेना को उनकी उत्कृष्ट पत्रकारिता और समाज सेवा,शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी निष्पक्ष और प्रभावशाली जमीनी पत्रकारिता के लिए प्रदान किया गया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान को मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र महासंघ के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अविनाश डी.सकुंडे,अतिथिगण भारत सरकार गृह मंत्रालय राजेश मुनोत,महासचिव, अंतर्राष्ट्रीय शांति कोर संघ शशि कुमार,निदेशक एमएसएमई हरीश चंद्र,अंतर्राष्ट्रीय राजदूत,अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र महासंघ डॉ. सनीपिना जया लक्ष्मी राव,ओएसिस यूनिवर्सिटी डॉ. सुषमा,वीपी सेल्स एंड मार्केटिंग, हिंदुस्तान रिसर्च कॉर्पोरेशन प्रदीप शर्मा अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक व्हीकल एसोसिएशन अध्यक्ष राजीव मिश्रा के हाथो प्रधान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव और समिट अंतर्राष्ट्रीय मानवीय उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 का भव्य आयोजन नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के योगदान को सम्मानित किया गया। जिन्होंने मानवता और सामाजिक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम सम्मान प्राप्त करने के बाद अपने संबोधन में डॉ अरुण सक्सेना ने कहा कि यह पुरस्कार केवल मेरा नहीं है, बल्कि मेरे मित्र पत्रकार साथियों और मेरी टीम के सभी सदस्यों का है, जिनकी मेहनत और समर्थन के बिना यह संभव नहीं होता। यह हमारी पूरी पत्रकारिता बिरादरी के लिए गर्व का क्षण है। श्री सक्सेना ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण होती है और इसकी गरिमा बनाए रखना हर पत्रकार का कर्तव्य है। सत्य को उजागर करने की दिशा में उनका यह सफर जारी रहेगा। कार्यक्रम में विभिन्न देशों के प्रतिष्ठित पत्रकार, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अरुण सक्सेना की निष्पक्ष पत्रकारिता की सराहना की और उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

डॉ अरुण सक्सेना ने अपने करियर में कई प्रभावशाली रिपोर्टिंग की हैं, जिनमें सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार उजागर करने और जनहित से जुड़े मुद्दों पर गहरी खोज शामिल है। उनके साहसिक कार्यों ने पत्रकारिता जगत में एक नई पहचान बनाई है। उनकी इस उपलब्धि पर पत्रकारिता जगत के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों ने भी हर्ष व्यक्त किया और उन्हें आगे भी सशक्त पत्रकारिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

डॉ सक्सेना सवालों के जवाब देते हुए कहा कि यह मेरे लिए बहुत गर्व और सम्मान की बात है। यह पुरस्कार न केवल मेरा व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि मेरी पूरी टीम, मेरे पत्रकार साथियों और उन सभी लोगों का है जो निष्पक्ष और साहसी पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध हैं। सत्य को सामने लाने की प्रक्रिया हमेशा कठि होती। कई बार दबाव और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन मैंने हमेशा निष्पक्षता और ईमानदारी को प्राथमिकता दी। आज तथ्य आधारित रिपोर्टिंग की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है। नए पत्रकारों से यही कहूंगा कि वे सत्य को प्राथमिकता दें और अपनी कलम की ताक़त को समझें।

# भारत की जीत का असर ऑस्ट्रेलिया से पाकिस्तान तक

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

चैंपियंस ट्रॉफी का असल महामुकाबला यानी भारत-ऑस्ट्रेलिया भिड़ंत में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हरा दिया। विराट अंतर वाली इस जीत के साथ ही रोहित सेना नेआईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। टीम इंडिया लगातार तीसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है,यह मुकाम हासिल करने वाली वह एकमात्र टीम बन गई है। 2013 में उसने इंग्लैंड को हराकर खिताब अपने नाम किया था,जबकि 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।अगर हम दुबई में खेले गए पहले सेमीफाइनल पर गौर करें तो फिर टीम इंडिया ने इस जीत से जहां घरेलू मैदान पर 2023 वर्ल्ड कप फाइनल मेंऑस्ट्रेलिया से मिली करारी हार का हिसाब किया है,वहीं 2011 से आईसीसी के नॉक आउट मुकाबलों में इस टीम से मिल रही लगातार हार के सिलसिले को भी रोक दिया है। टीम इंडिया की इस जीत से ऑस्ट्रेलिया के साथ ही पाकिस्तान को भी करारा झटका लगा है,क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल की मेजबानी लाहौर पाकिस्तान से दुबई चली गयी है।मतलब पाकिस्तान से फाइनल की मेजबानी बदलने में भी टीम इंडिया की ही भूमिका रही है।29 साल बाद पाकिस्तान को किसी भी आईसीसी इवेंट की मिली मेजबानी का खिताबी मुकाबला 9 मार्च को अब दुबई में खेला जाएगा।अब अगर हम दुबई में खेले गए इस महामुबाबले की बात करें तो टॉस ने एक बार फिर रोहित शर्मा का साथ नहीं दिया।टीम इंडिया को पहले गेंदबाजी के विकल्प पर कप्तान ने साफ तौर पर यह बोल दिया कि टॉस हारने की वजह से दुविधापूर्ण फैसला लेने से बच गये।वैसे सच तो यह है कि मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में टॉस का किरदार मैच की जीत हार में कम ही नजर आया है,फिर मैच चाहे पाकिस्तान में हुआ हो या फिर दुबई में हो।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम को धीमी विकेट पर तालमेल बैठाने में शुरुआत से ही परेशानी साफ नजर आयी।सही मायने में कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने सहज नजर नहीं आया।ट्रेवर हेड और केरी ने अपने आक्रामक रुख से कुछ हद तक बाजी पलटने का प्रयास किया,लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ की पारी मेरे नजरिये में कोहली के लिए पिच के मिजाज को पड़ने में सहायक साबित हुई।2023 वर्ल्ड कप के मैन ऑफ द सीरीज स्टार बल्लेबाज कोहली इस मैच में टीम इंडिया के संकटमोचक साबित हुए,उन्होंने जिस अंदाज में 84 रन की बेहतरीन पारी को अंजाम दिया,वही मैच में निर्णायक साबित हुआ।यह बात सच है कि टीम इंडिया की धमाकेदार जीत में कोहली का किरदार बेहद अहम रहा है,लेकिन अगर पूरे मैच पर बारीक नजर डालें तो फिर टीम के सभी खिलाि?यों ने इस जीत में अपनी भूमिका के साथ न्याय किया है।चैंपियंस ट्रॉफी का दूसरा सेमीफाइनल न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच आज लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होना है।यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम इंडिया का फाइनल मुकाबला किस टीम के साथ खेला जाएगा।

### दूसरा सेमीफाइनल : दोनों टीमें टूर्नामेंट इतिहास में तीसरी बार भिड़ेंगी

# चैंपियंस ट्रॉफी में आज होगी साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की भिड़ंत

**लाहौर, एजेंसी**

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला आज साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मैच लाहौर के गद्दाफी क्रिकेट स्टेडियम में होगा। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें तीसरी बार भिड़ेंगी। इससे पहले हुई भिड़ंत में दोनों को 1-1 जीत मिली। वनडे में आखिरी बार दोनों का फरवरी में ट्राई सीरीज के दौरान सामना हुआ था, तब न्यूजीलैंड ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। वनडे में साउथ अफ्रीका का पलड़ा भारी साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच अब तक 73 वनडे खेले गए। 42 में साउथ अफ्रीका और 26 में न्यूजीलैंड को जीत मिली। 5 मैच बेनतीजा रहे। लाहौर में दोनों टीमें दूसरी बार ही भिड़ रही हैं। इससे पहले फरवरी में ट्राई सीरीज में दोनों का सामना हुआ था।

लैथम न्यूजीलैंड के टॉप स्कोरर इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के लिए टॉम लैथम टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 3 मैचों में 187 रन बनाए हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 55 और पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 118 रन बनाए थे। बॉलिंग में मैट हेनरी टॉप पर हैं। उन्होंने 3 मैचों में 8 विकेट लिए हैं। रिकेल्टन साउथ अफ्रीका के टॉप स्कोरर रायन रिकेल्टन ने इस चैंपियंस ट्रॉफी में साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। बॉलिंग में वायन मुल्डर 5 विकेट लेकर टॉप पर हैं।

पिच रिपोर्ट गद्दाफी स्टेडियम की पिच बैटिंग-फ्रेंडली होती है और यही वजह है कि यहां हाई स्कोरिंग मैच खेले गए हैं। यहां अब तक 72 वनडे हुए। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 36 और पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने 33 मैच जीते। वहीं, दो मैच का नतीजा नहीं निकल सका। जबकि एक मैच टाई भी हुआ। यहां का हाईएस्ट स्कोर 375/3 है, जो पाकिस्तान ने 2015 में जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया था।

वेदर रिपोर्ट बुधवार को लाहौर में बारिश का कोई चांस नहीं है। यहां पूरे दिन धूप रहेगी और मौसम भी ठंडा रहेगा। तापमान 10 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। वहीं, हवा 17 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी।

**दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11** साउथ अफ्रीका- टेम्बा बवुमा (कप्तान), ऐडन मार्करम, रायन रिकेलटन, रासी वान डर डसन, हेनरिक क्लासन , डेविड मिलर, वायन मुल्डर, मार्को यानसन, कगिसो रबाडा, केशव महाराज और लुंगी एनगिडी।

न्यूजीलैंड-मिचेल सैंटनर (कप्तान), विल यंग, रचिन रवींद्र, केन विलियम्सन, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मैट हेनरी, काइल जैमीसन और विलियम ओरूर्क।

### फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट

# मस्का और ओसाका कड़े संघर्ष के बाद जीती

**पेरिस, एजेंसी**

यूक्रेन की 30वीं वरीय खिलाड़ी डायना यास्त्रेम्स्का और जापान की दिग्गज खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में कड़े मुकाबले के बाद जीत हासिल की। महिला एकल के पहले राउंड में ऑस्ट्रेलिया की गैरवरीय खिलाड़ी एज्ला टोमलिजेनोविच को तीन सेटों में 3-6, 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। अब उनकी भिड़ंत चीन की खिलाड़ी वेंग याफेन से होगी। गैरवरीय चीनी खिलाड़ी ने पहले दौर में रूस की मारिया टिमोफीवा को 6-3, 6-3 से मात दी। दूसरी तरफ, जापान की शीर्ष खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने इटालियन खिलाड़ी लूसिया ब्रॉंजेटी को तीन सेटों तक चले मैच में 6-1, 4-6, 7-5 से हराया। वहीं पुरुषों में छठी सीड रूसी खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव ने पहले दौर की चुनौती पार की। उन्होंने जापान के गैरवरीय खिलाड़ी टैरो डेनिएल को 6-2, 6-7, 6-3, 7-5 से मात दी।

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

## क्या सोनम पर नहीं था यशपाल शर्मा को भरोसा? अभिनेता ने दिया जवाब

पंजाबी अभिनेता सह गायक एमी विर्क की आगामी फिल्म 'कुड़ी हरियाणे वल दी' को लेकर अभिनेता यशपाल शर्मा ने बताया कि जब उन्हें पता लगा कि अभिनेत्री सोनम बाजवा हैं तो उन्हें हैरानी हुई थी। मशहूर पंजाबी अभिनेता सह गायक एमी विर्क और अभिनेत्री सोनम बाजवा की सुपरहिट जोड़ी फिर से पर्दे पर नजर आने वाली है। ये जोड़ी पंजाबी-हरियाणवी एंटरटेनर फिल्म 'कुड़ी हरियाणे वल दी' में एक बार फिर साथ आ रही है, जो 14 जून, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म पंजाबी और हरियाणवी में दो अलग नामों से रिलीज होगी। इसमे पंजाब और हरियाणा दोनों की संस्कृति दिखाई जाएगी। पंजाबी में फिल्म का शीर्षक कुड़ी हरियाणे वल दी है, जबकि हरियाणवी में फिल्म का शीर्षक छोरी हरियाणे आली है। इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया। ट्रेलर रिलीज के दौरान जब उनसे फिल्म में काम करने का अनुभव पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें यह फिल्म करने में काफी मजा आया। इस बीच अभिनेत्री सोनम बाजवा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सोनम ने फिल्म में बहुत लगन के साथ काम किया है। अभिनेता ने कहा,ज्जब मुझे पता चला कि फिल्म का नाम कुड़ी हरियाणे वल दी है और मैं कुड़ी का पिता हूं और कुड़ी सोनम बनी हैं, तो मुझे हैरानी हुई कि सोनम ही क्यों? हालांकि, बाद में मैंने देखा कि सोनम ने काफी लगन से काम किया। वह हर सीन को और बेहतर करना चाहती थी, दो-तीन टेक और देना चाहती थीं।

## पीयूष मिश्रा, बोले- अगर मैं फिल्म 'मैंने प्यार किया' कर लेता तो शायद स्टारडम...

पीयूष मिश्रा बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर हैं। वे अपनी शर्तों पर अपनी मर्जी से जीने वाले अभिनेता हैं। हाल ही में उन्होंने सूरज बड़जात्या की फिल्म 'मैंने प्यार किया' के बारे में एक जबरदस्त खुलासा किया है। यह वही फिल्म है जिसकी वजह से सलमान रातों-रात स्टार बन गए थे। आइए जानते हैं पीयूष मिश्रा ने क्या कहा है। साल 1989 में सूरज बड़जात्या ने अपनी पहली फिल्म क्मैंने प्यार कियाज् को निर्देशित किया था। इस फिल्म में सलमान खान 'प्रेम' की भूमिका में नजर आए थे। दरअसल पहले प्रेम के इस रोल के लिए अभिनेता पीयूष मिश्रा को चुना गया था, लेकिन उन्होंने इस फिल्म को करने से मना कर दिया था। पीयूष मिश्रा कहते हैं, च्देखिए ऐसा नहीं था कि मैंने इस फिल्म को साइन करके छोड़ दिया था। मुझे आज तक यह बात समझ में नहीं आई कि इस बात को इतना बढ़ा-चढ़ा कर क्यों पेश किया गया था। सिर्फ एक प्रारंभिक चर्चा हुई थी पीयूष अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, सूरज बड़जात्या के पिताजी राज कुमार बड़जात्या ने मुझे इस रोल के बारे में बताया था। वे मुझे इस फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन मैं अपनी पढाई पूरी करना चाहता था इसलिए मैंने इस रोल को करने से मना कर दिया था। सलमान खान करियर की सबसे हिट फिल्मों की बात जब भी होगी तो मैंने प्यार किया का जिक्र जरूर होगा। इस फिल्म की वजह से वे रातों-रात देश की धड़कन बन गए थे।

## 30 टेक देने के बाद रोने लगी थीं एक्ट्रेस शर्मिन सहगल

लगातार ट्रोलिंग की शिकार हो रही 'हीरामंडी' की अभिनेत्री शर्मिन सहगल का एक पुराना वीडियो इंटरनेट पर सामने आया है, जिसमें वह अपनी डेब्यू फिल्म 'मलाल' के बारे में बात कर रही हैं। उन्होंने इस वीडियो में साझा किया है कि कैसे एक दृश्य के लिए 30 टेक देने के बाद वह रोने लगी थीं। संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' रिलीज के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। सीरीज के कई दृश्य सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। वहीं, संजय लीला भंसाली की भतीजी शर्मिन सहगल लगातार ट्रोल्स का निशाना बनी हुई हैं। ट्रोलर्स उन्हें 'आलमजेब' के किरदार में 'अभिव्यक्तिहीन अभिनय' करने के लिए खूब ट्रोल कर रहे हैं। इस बीच अभिनेत्री का एक पुराना साक्षात्कार इंटरनेट पर सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साक्षात्कार में वह अपनी डेब्यू फिल्म 'मलाल' को लेकर बातचीत कर रही हैं। उन्होंने इस साक्षात्कार में बताया था कि उन्हें 'मलाल' के एक सीन के लिए 30 टेक देने पड़े थे।

**'मलाल' के शूट को किया याद:** शर्मिन ने अपने अभिनय की शुरुआत साल 2019 में आई भंसाली की फिल्म 'मलाल' से किया था। मलाल की शूटिंग को याद करते हुए शर्मिन ने कहा, 'उस एक शॉट में जो मेरी वाट लगी है, मैं सामान्यत: 15 टेक देती थी। मुझे 25 टेक लगे हैं उस दिन।' उन्होंने कहा कि उन्होंने दिन भर के लिए जो कुछ भी तैयार किया था वह एक शॉट में बर्बाद हो गया। शर्मिन आगे बताती हैं कि उनके एक शॉट को 30 टेक देने के बाद भी भंसाली ने मंजूरी नहीं दी थी। उन्होंने कहा, 'मैं सेट पर गई और 30 टेक दिए, जो ठीक नहीं हुए। उसके बाद मैं बहुत निराश हो गई।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि भंसाली ने उन्हें डांटा नहीं या आवाज नहीं उठाई, बल्कि बस इतना कहा कि उन्हें यह सीन करना है। शर्मिन ने कहा 'मैं वह नहीं कर सकी और मैं 30 टेक के बाद रोने लगी।'

**मेट्रो बाजार**

## 10 ग्राम सोना 1112 बढ़कर 86432 हुआ, 90 हजार तक जा सकता है

**नईदिल्ली, एजेंसी**

इन दिनों सोने-चांदी के दामों में बढ़त मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,112 रुपए बढ़कर 86,432 रुपए पर पहुंच गया है। सोमवार को सोने का दाम 85,320 रुपए पर था। 19 फरवरी को गोल्ड ने 86,733 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 895 रुपए चढ़कर 95,293 रुपए प्रति किलो हो गई है। कल चांदी का भाव 94,398 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। इस साल 90 हजार रुपए तक जा सकता है सोना केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। अमेरिका के बाद च ने ब्याज दरों में कटौती और जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड श्रञ्जस्र में निवेश भी ब? रहा है। इससे भी गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 90 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। खरीदें हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ॥ढ्ढष्ठ कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है-ः4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

## पर्यटन को बढ़ावा देकर आमदनी बढ़ाने की तैयारी कर रही सरकार, धार्मिक पर्यटन से आया राजस्व

**मुंबई, एजेंसी।** सरकार एक विशेष पर्यटन क्षेत्र के जरिए कई नई जगहों को पर्यटन हब बनाने पर ध्यान दे रही है। सर क्रीक, कोरी क्रीक के साथ गुजरात पर्यटन धोलावीरा, शिवराजपुर को विशेष पर्यटन के क्षेत्र में विकिसत करेगी। पिछले कुछ सालों में देश में पर्यटन क्षेत्र में काफी बदलाव आया है। इसी साल जनवरी महीने की शुरुआत में लक्षद्वीप को मालदीव से बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर विवाद उठा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस दौरान उत्तर अरब सागर में स्थित लक्षद्वीप के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा थी। इसके बाद ट्रेवल पोर्टल्स पर लोगों ने लक्षद्वीप को भी खोजचना शुरू कर दिया। इन सबके बीच सरकार कई अन्य ऐसे स्थलों को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रही हैं जहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसी परियोजना के तहत गुजरात के कच्छ जिले के सर क्रीक और कोरी क्रीक जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर काम चल रहा है। यह क्षेत्र भारत-पाकिस्तान के बीच 96 किलोमीटर की जल पट्टी है, इसकी जलधारा को मूल रूप से 'बान गंगा' कहा जाता है। अब सरकार इस क्षेत्र को व्यापक तौर पर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। गुजरात सरकार ने इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल बनाने के लिए एक मास्टरप्लान तैयार किया है। पर्यटकों को सांस्कृतिक, प्राकृतिक और रोमांचक अनुभव प्रदान करने के अलावा सरकार का उद्देश्य स्थानीय अर्थव्यस्था को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसर पैदा करना है। इस परियोजना के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों को बढ़ावा दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार अनुसार एक विशेष पर्यटन क्षेत्र परियोजना के अंतर्गत इस क्षेत्र को विकसित किया जाएगा।

### कॉल सेंटर में काम करने वाले 8 कर्मचारियों पर एफआईआर कराई गई दर्ज

# अफजल से जुड़े लोगों के खिलाफ सबूत मिलने के बाद भी नहीं बनाया कोई आरोपी

**अफजल का अशोका गार्डन में चल रहा था एक और कॉल सेंटर स्टेट साइबर ने भी की मामले में जांच शुरू**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग कॉल सेंटर के हुए खुलासे के बाद 8 और लोगों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। ये वो लोग है जो कॉल सेंटर में काम किया करते थे। इन लोगों के नाम पर अफजल ने फर्जी खाते खुलवाए थे जिसमें ठगी के पैसों का ट्रांजेक्शन होता था। पुलिस का कहना है कि जांच में इन लोगों की संलिप्तता पाई गई थी जिसके बाद इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर इन्हें गिरफ्तार किया गया है। अफजल के कॉल सेंटर में काम करने वाले कर्मचारियों को लेकर एसीपी सुरभि मीणा का कहना है कि इनमें कुछ कर्मचारी ऐसे थे जो केवल कॉलिंग करने का काम करते थे जबकि कुछ कर्मचारी ऐसे थे जो इस पूरी ठगी में अफजल के साथ शामिल थे। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

## स्टेट साइबर सेल ने भी की जांच शुरु

स्टेट साइबर सेल भी इस पूरे मामले की जांच में शामिल हो गई है। स्टेट साइबर सेल की फॉरेंसिक विंग ने अफजल और अन्य से पूछताछ की है। मामले में अब तक 14 सौ ऐसे मामले पुलिस को पता चले है जिसमें अफजल के कॉल सेंटर के माध्यम से ठगी की गई है।

## ऐसे करते थे ठगी

ए.टी.एस. नाम से आरोपी प्रभात चौराहा स्थित कंपनी का संचालन कर रहे थे। कंपनी के कर्मचारी ग्राहकों को फोन कर ट्रेडिंग में अधिक लाभ का लालच देकर निवेश के लिए प्रेरित करते थे। इसके बाद लोगों को जाल में फंसा कर उनसे ठगी करते थे। पुलिस पड़ताल में जुटी हुई है।

## 95 लाख के लेन-देन का खुलासा

पुलिस के अनुसार जांच में अब तक 95 लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है हालांकि जितनी शिकायतों की जानकारी सामने आई है उससे शुरुआत में लगभग 12 से करोड़ उपर की धोखाधड़ी का अनुमान लगाया गया था। इस मामले में पुलिस ने अफजल खान, साहिबा खान, विपिन घोष, रामचंद्र यादव, बृज किशोर साहू, सौरभ कुशवाह, श्रेयांश सेन, रानू भूमरकर, अंकुर माछीवार, और मोनिस को अब तक गिरफ्तार किया है।

### जांच पर उठ रहे सवाल

**सबूत मिल जाने के बाद भी क्यों नहीं बनाया आरोपी?**

अफजल और उसकी बेटी साहिबा को आरोपी बनाया गया लेकिन अफजल के बेटे अमान के नाम पर मिले खाते और क्यू आर कोड मिलने पर भी उसे आरोपी नहीं बनाया गया। अफजल के पुराने कर्मचारियों के नाम पर खाते, लग्जरी कार और उसके अन्य रिश्तेदारो की संलिप्त इस मामले में होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। मामले में अफजल से जुड़े उन लोगों को छोड़ा जा रहा है जो सीधे तौर पर जालसाजी के इस खेल से जुड़ा हुए थे।

पहीं इस मामले में एक और कॉल सेंटर का खुलासा हुआ है। अशोका गार्डन में अफजल का एक और कॉल सेंटर था जो उसने सौरभ नाम के एक युवक के नाम पर शुरु करवाया था। ऐशबाग पुलिस ने इस मामले में सौरभ को गिरफ्तार कर लिया है, हालांकि आरोपी सौरभ के परिवार का कहना है कि कॉल सेंटर सौरभ के नाम था लेकिन इसका संचालन और खर्चा अफजल ही करता था। परिवार ने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए है जिसमें उन्होंने कहा है कि पुलिस ने बिना जांच के सौरभ को आरोपी बना कर उसे जेल भेज दिया है।

# वीजा खत्म होने के बाद से युवक 20 दिन से लापता

**अफगानिस्तान से भोपाल पढ़ने आए युवक पर वीजा एक्सपायर होने के बाद भी रहने के चलते हुई एफआईआर दर्ज, पुलिस कर रही है तलाश**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अफगानिस्तान से भारत में पढ़ने आया एक छात्र वीजा खत्म होने के बाद भी भोपाल में 1 साल से अवैध तरीके से रह रहा था। गुप्त शाखा से कोलार पुलिस को सूचना मिली जिसके बाद कोलार पुलिस ने उस युवक के खिलाफ वीजा अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में पुलिस की चिंता तब और ज्यादा बढ़ गई जब पुलिस जांच के लिए उसके पते पर पहुंची तो पता चला कि वो पिछले 20 दिन से गायब है और उसका नंबर भी बंद बता रहा है। आफगानिस्तान से आया सैयद राशिद सादात (28) 2019 में भोपाल के एक निजी कॉलेज से पत्रकारिता की पढ़ाई के लिए भोपाल आया था।

25 मार्च 2025 में उसका वीजा खत्म हो गया था लेकिन उसके बाद से ही वो अवैध तरीके से भोपाल में रह रहा था। कोलार के सागर ग्रीन हिल्स में वो किराए का मकान लेकर रह रहा था, पुलिस को उसके मकानमालिक ने बताया कि वो अपने वीजा बढ़वाने के लिए ही दिल्ली गया हुआ है लेकिन जब पुलिस ने उसके नंबर पर कॉल किया तो उसका नंबर बंद आया। हालांकि पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज करने से पहले उसे वीजा को लेकर नोटिस दिए गए थे लेकिन जब उसने सिस पर ध्यान नहीं दिया तो एफआईआर दर्ज की गई।

## भोपाल में क्या करता था काम और कैसे चलता था खर्चा इस बारे में कोई भी जानकारी पुलिस को नहीं

## भारत में शरणार्थी बनना चाहता है अफगानिस्तानी युवक

अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही कई लोगों ने अफगानिस्तान को छोड़ दिया था। अफगानिस्तान के सैयद को लेकर भी पुलिस को आशंका है कि वो भारत में शरणार्थी बनने की कोशिश में है। सैयद भारत में पढ़ने के लिए 2019 में आया था और उसके बाद तक वो भारत में क्या करता रहा, उसके खर्चे कैसे चलते थे और वो क्या काम करता था, पुलिस के पास इसकी कोई जानकारी नहीं है पुलिस का कहना है कि उसके मिलने के बाद उससे इस बारे में पूछताछ की जाएगी।

## डीजे वाहन में बदमाशों ने लगाई आग

**भोपाल।** गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित विकास नगर में पुरानी दुष्मनी के चलते कुछ बदमाशों ने एक व्यापारी के डीजे वाहन में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। घटना सोमवार रात 12 बजे की बताई जा रही है। फरियादी नरेंद्र पथरोल ने अपना वाहन घर के पास पार्क किया था जिसके बाद देर रात कुछ बदमाश मौके पर पहुंचे और उन्होंने पहले वाहन में तोड़फोड़ की और फिर उसमें आग लगा दी। इस घटना के बाद फरियादी ने थाने पहुंच कर पुलिस को शिकायत की फिर शिकायत के आधार पुलिस ने आरोपी सूजल, अर्जुन और एक अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश तोमर ने बताया है कि फरियादी और आरोपियों में पहले भी एक बार विवाद हुआ था जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों पर उस वक्त भी एफआईआर दर्ज की गई थी और इस बार की घटना के बाद भी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं आरोपी फिलहाल फरार चल रहे है और जल्द ही उन सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं बतायाजा रहा है कि दोनों पक्ष राजनैतिक दलों के साथ जुड़े हुए है और चुनाव के बाद से ही दोनों के बीच विवाद शुरु हुआ था।

## घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

**भोपाल।** टीटी नगर इलाके में एक्सीडेंट में घायल हुई एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के समय वह पति के साथ स्कूटर पर बैठकर ड्यूटी जा रही थी। उसी समय गैमन इंडिया के पास बाइक सवार ने स्कूटर सवार दंपति को टक्कर मारकर घायल कर दिया था। जानकारी के अनुसार रत्ना बाधवानी (58) बैरागढ़ में रहती थी और नर्मदा भवन स्थित जल संसाधन विभाग में नौकरी करती थी। उनके पति लोकचंद बाधवानी जयप्रकाश अस्पताल में नौकरी करते हैं। बीती 21 फरवरी की सुबह बाधवानी दंपति ड्यूटी जाने के लिए निकले थे। सुबह करीब सवा दस बजे दोनों लोग टीटी नगर स्थित गैमन इंडिया के सामने कांच वाली बिल्डिंग के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार बाइक चालक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दंपति स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया गया। रत्ना को गंभीर चोट लगने के कारण अरेरा कालोनी स्थित निजी अस्पतालमें भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज किया था।

# आग से गृहस्थी बचाने की कोशिश में बुजुर्ग झुलसा, सामान भी खाक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर के करोंद इलाके स्थित एक घर में बुधवार सुबह आग लग गई। यह आग इतनी भीषण थी कि एक्टिवा, साइकिल समेत गृहस्थी का सामान जल गया। वहीं आग बुझाने और सामान को बचाने के प्रयास में बुजुर्ग भी झुलस गए। बताया जाता है कि आग सुबह सा? 8 बजे चूल्हे पर पानी गर्म करते समय लगी, जो करीब एक घंटे में काबू आ सकी। दमकल कर्मियों के बताया कि इस दौरान 68 वर्षीय बुजुर्ग प्रेमनारायण हा?ा जख्मी हो गये वे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। करोंद स्थित हाउसिंग पार्क कॉलोनी के घर में अकेले ही रहते हैं। सुबह वे चूल्हे पर पानी गर्म कर रहे थे। तभी पास में ख?ी एक्टिवा में आग लग गई और देखते ही देखते घर में फैल गई। आग लगते ही उसे बुझाने के लिए बुजुर्ग प्रेमनारायण बदहवासी में दौ? प?। इसी दौरान उनके मुंह, हाथ-पैर झुलस गए। आग लगने की जानकारी मिलने पर कबा?खाना फायर स्टेशन से दमकलें और निशातपुरा पुलिस मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक आग से सामान राख हो गया था। इसमें एक्टिवा, साइकिल, सोफा, कपड़े, पलंग समेत गृहस्थी का सारा सामान था। झुलसे बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया।

## घर के सामने खड़ा आटो चोरी

**भोपाल।** जहांगीराबाद थानांतर्गत नीम वाली सड़क जिंसी में रहने वाले शिराज अहमद के घर के सामने खड़ा एक आटो चोरी चला गया। चोरी गए आटो की कीमत पचास हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार बागसेवनिया थानांतर्गत मछली मार्केट से गणेश निरापुरे के बाइक और श्यामला हिल्स थानांतर्गत आकाशवाणी के पास रोहित सिंह की स्कूटर चोरी चली गई। पुलिस ने तीनों मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर कोतवाली थानांतर्गत नूर महल रोड पर रहने वाले मोहम्मद असलम के घर के सामने से तीन बकरे चोरी हो गए। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी कार में बकरों को भरकर ले गए थे। चोरी गए बकरों की कीमत सात हजार रुपए बताई गई है।

# योजना बनाकर प्रेमी संग गहने लेकर भागी थी दुल्हन, चोरी का किया गया मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

**18 फरवरी को शादी होने के बाद टीटी नगर थाना क्षेत्र में शादी के रिसेप्शन से पहले ही दुल्हन अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी**

टीटी नगर थाना क्षेत्र में शादी के रिसेप्शन से पहले ही दुल्हन अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी जिस मामले में पुलिस ने दुल्हन रोशनी सोलंकी (22), उसके प्रेमी रितिक मालवीय (23) और प्रेमी के दोस्त अरबाज खान (26) के खिलाफ चोरी और षडियंत्र पूर्वक जेवरात ले जाने के तहत मामला दर्ज किया है। इन लोगों ने मिलकर शादी की आड़ में 6 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने चुराने की योजना बनाई थी।

पीड़ित आशीष रजक ने पुलिस को बताया था कि 18 फरवरी 2025 को उसकी शादी रोशनी सोलंकी से हुई थी। अगले ही दिन रिसेप्शन के दौरान रोशनी अचानक एक कार में बैठ कर लापता हो गई। पहले मामला गुमशुदगी का दर्ज किया गया, लेकिन जांच में यह षडियंत्र पूर्वक जेवरात ले जाने का विकल कर सामने आया।

### ऐसे पकड़े गए आरोपी

टीटी नगर पुलिस ने सूचना के आधार पर आरोपियों को अयोध्या बायपास से गिरफ्तार किया। उनके पास से 6 लाख रुपये के गहने, मोबाइल फोन और दुल्हन का लहंगा-चुनरी जब्त किया गया।

जांच में सामने आया कि रोशनी पिछले 5 साल से रितिक मालवीय के साथ प्रेम संबंध में थी। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन रिश्तेदारी में भाई-बहन का नाता होने के कारण परिवार ने इंकार कर दिया।

बेरोजगार रितिक ने दोस्त अरबाज खान के साथ मिलकर यह साजिश रची। योजना के तहत रोशनी ने आशीष से शादी की और अगले दिन गंजबासौदा से फरार होने वाली थी। लेकिन बारातियों की अधिक संख्या देख कर रिसेप्शन के दिन भागने का फैसला लिया।

अरबाज खान, जो ड्राइवर है, अपनी स्विफ्ट डिजायर कार लेकर भोपाल पहुंचा और रिसेप्शन से रोशनी को लेकर फरार हो गया। पहले रोशनी इस योजना के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन सोने-चांदी के गहनों के लालच में उसने हामी भर दी। आरोपियों ने गहनों का कुछ हिस्सा बेचने की भी योजना बना ली थी।

**मेट्रो एंकर** बालिका से जबरदस्ती की कोशिश, केस दर्ज नहीं तो आयोग ने दिए जांच के निर्देश

# थाने में नहीं लिखी रिपोर्ट, ये परिस्थिति क्यों उत्पन्न हुई...?

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के चार मामलों में संज्ञान लिया है। भोपाल में रविंद्र भवन में लगे मेले के दौरान एक श्रमिक ठेकेदार द्वारा 14 साल की बालिका के साथ जबरदस्ती करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता के परिजनों ने आरोपी ठेकेदार के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत करने पहुंचे, जहां उनकी सुनवाई नहीं हुई।

इसके बाद परिजनों ने अपने गृह जिले पहुंचकर मऊगंज पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग ने पुलिस आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने

पूछा है कि पीड़ित बालिका की रिपोर्ट भोपाल स्थित संबंधित पुलिस थाने में क्यों नहीं लिखी गई रिपोर्ट मऊगंज पुलिस थाने में 0/25 पर अपराध दर्ज करने के बाद भोपाल भेजे जाने की परिस्थिति क्यों उत्पन्न हुई पीड़ित बालिका के डॉक्टर परीक्षण सुरक्षा परामर्श, विधिक सहायता के संबंध में की गई कार्यवाही, एवं दोषी के विरुद्ध की गई कार्यवाही के संबंध जांच रिपोर्ट भी आयोग ने तलब की है।

## गैस रिसने से वृद्धा की मौत, जांच के निर्देश

भोपाल शहर के बागसेवनिया इलाके में गैस रिसने से एक बुजुर्ग महिला की मृत्यु होने की घटना सामने आई है। आयोग के संज्ञान में आया है कि इलाके में रहने वाले एक युवक के घर शिवरात्रि के दिन घर में पूजा करवाई थी, जहां रसोई में सिलेंडर से गैस रिस रही थी, दीया जलाते समय गैस के कारण आग लग गई, जिसमें 11 लोग गंभीर रूप से झुलस गये। जिसमें से युवक की मां की झुलस ने कारण अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही गैस लीक की परिस्थितियों के संबंध में यदि गैस कंपनी/डिस्ट्रीब्यूटर की उपेक्षा प्रकट हो तो अपेक्षित वैधानिक कार्यवाही और महिला की मृत्यु के संबंध में प्रतिवेदन भी मांगा है।

## हॉकर्स कॉर्नर बना शराबियों का अड्डा

भोपाल शहर के कोलार क्षेत्र के गेहूं खेड़ा स्थित हॉकर्स कॉर्नर की देखरेख न होने के कारण वहां असामाजिक तत्वों द्वारा शराबखोरी की जा रही है। आयोग के संज्ञान में आया है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और राजस्व अमले की लापरवाही के कारण हॉकर्स कॉर्नर शराबियों का अड्डा बनता जा रहा है। मामले में आयोग ने कलेक्टर एवं आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन मांगा है।

# पंजाब मेल में महिला के पर्स से 75 हजार रु. के जेवरात चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पंजाब मेल में सफर कर रही एक महिला के पर्स से चोर 75 हजार के जेवरात चोरी कर ले गए। घटना के समय महिला ने अपना पर्स हाथ पर टांग रखा था, लेकिन उन्हें भनक तक नहीं लगी। इधर कई अन्य यात्रियों के जेवरात, मोबाइल और लैपटाप समेत हजारों का सामान चोरी चला गया। जानकारी के अनुसार विदिशा निवासी पुष्पा शर्मा अपने पति गयाप्रसाद शर्मा के साथ पिछले दिनों पंजाब मेल में गंजबासौदा से रानी कमलापति की यात्रा कर रही थी। दोनों लोग स्लीपर कोच में बैठे हुए थे। इस दौरान पुष्पा ने अपना लेडीज पर्स हाथ पर टांग रखा था। भोपाल स्टेशन आने से करीब पांच मिनट पहले अचानक उनकी नजर पर्स पर पड़ी तो आधी चैन खुली दिखी। चैक करने पर पर्स के अंदर रखा छोटा पर्स गायब था। चोरी गए पर्स में एक सोने का मंगलसूत्र, 2 सोने की अंगूठी, एक जोड़ी कान की झुमकी, नगदी 7000 समेत कुल 75 हजार का सामान गायब था। महिला का पर्स उठाकर भागा बदमाश जमशेदपुर झारखंड निवासी रोहित श्रीवास्तव अपनी पत्नी अंजली के साथ हमसफर एक्सप्रेस के एसी कोच में टाटा नगर से रानी कमलापति की यात्रा कर रहे थे। अंजली ने अपना लेडीज पर्स बर्थ के पास टेबिल रखा था। भोपाल रेलवे स्टेशन आने से पहले लाल कलर की टीशर्ट पहने एक लड़का कांच का गेट खोलकर भीतर पहुंचा और अंजली का पर्स उठा लिया। उसके साथ दो अन्य लड़के भी थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022